

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर

Rashtra Sant Tukdoji Maharaj Nagpur University

NAGPUR

Structure and Credit Distribution of

PG Degree Programme

Two Year / One Year P.G.

M.A.

MARATHI

राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण २०२० (NEP) आधारित

सुधारित अभ्यासक्रम

NEP BASED REVISED SYLLABUS

सत्र २०२३-२०२४ (पासून पुढे)

M.A. (MARATHI) I, II Year

(I, II, III, IV Semester)

मोपिपाणी
पुस्तक

मोपिपाणी
पुस्तक

मोपिपाणी
पुस्तक

**NEP - 2020 आधारित पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
M.A. MARATHI (Two Years/One Year P.G.)
with Credit Distribution Structure**

1 Year (2 Year P.G.) द्विवार्षिक पदव्युत्तर अभ्यासक्रम	2 Level (स्तर रचना)	3 Semester (सत्र रचना)	4 Major (मुख्य विषय)		5 R. M. (Research Methodology (संशोधन पद्धती)	6 OJT/PP (on Job Training/ Internship/ Apprenticeship) (Field Project) (प्रशिक्षण / शिक।ऊ. उमेदवारी) (क्षेत्र-प्रकल्प)	7 R.P. (Research Project) संशोधन प्रकल्प	8 Cumulative Credits (एकूण श्रेयांक)	9 Degree (पदवीचे स्वरूप)
			Mandatory (अनिवार्य)	Electives (वैकल्पिक)					
1	6.0	Sem I	MRT 101 प्राचीन व मध्ययुगीन साहित्याचा इतिहास (4 Credits)	खालीलपैकी कोणताही एक MRT 106(A) विशेष वाङ्मयप्रश्नः अरबी (4 Credits) MRT 106(B) विशेष ग्रंथकार : वि. वा. शिरवाडकर (4 Credits) MRT 106(C) विशेष ग्रंथकार : यशवंत मोहोर (4 Credits)	Mandatory MRT 105 संशोधनशास्त्र	-	20-22	पदव्युत्तर पदविका P.G. Diploma (after 3 years Degree)	
			एकूण श्रेयांक (Credits) 14	एकूण श्रेयांक 4	श्रेयांक 4	-			
		Sem II	MRT 201 आधुनिक मराठी साहित्याचा इतिहास (4 Credits)	खालीलपैकी कोणताही एक MRT 205(A) मराठी निबंध वाङ्मय (4 Credits) MRT 205(B) मराठी कविता गद्य (4 Credits) MRT 205(C) चित्रपट आणि माहिती (4 Credits)	-	Mandatory प्रशिक्षण कार्य किंवा क्षेत्र-प्रकल्प	20-22		
			एकूण श्रेयांक (Credits) 14	एकूण श्रेयांक 4	श्रेयांक 4	-			
Cumulative Credit for P.G. Diploma			24-28	8	4	-	40-44		

EXIT OPTION : PG DIPLOMA (40-44 CREDIT) AFTER THREE YEAR UG DEGREE (निर्गमन पर्याय)







**NEP - 2020 आधारित पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
M.A. MARATHI (Two Years/One Year P.G.)
with Credit Distribution Structure**

1 Year (2 Year P.G.) द्विवार्षिक पदव्युत्तर अभ्यासक्रम	2 Level (स्तर रचना)	3 Semester (सत्र रचना)	4 Major (मुख्य विषय)		5 R. M. (Research Methodology (संशोधन पद्धती) (प्रशिक्षण / शिकाने उमदवारी) (क्षेत्र-प्रकल्प)	6 OJT/FP (on Job Training/ Internship/ Apprenticeship) (Field Project)	7 R.P. (Research Project) संशोधन प्रकल्प	8 Cumulative Credits (एकूण श्रेयांक)	9 Degree (पदवीचे स्वरूप)
			Mandatory (अनिवार्य)	Elective (वैकल्पिक)					
II	6.5	Sem III	MRT 301 प्राचीन व मध्ययुगीन काव्य (4 Credits) MRT 302 मराठी भाषा, बाली आणि व्याकरण (4 Credits) MRT 303 नवे साहित्यप्रवार (शामीण, दलित व आदिवासी) (4 Credits) MRT 304 प्रसामाध्यम आणि साहित्यव्यवहार (2 Credits)	खालीलपैकी कोणताही एक MRT 305(A) वाङ्मयीन चळवळी (4 Credits) MRT 305(B) प्यारन आणि साहित्य (4 Credits) MRT 305(C) साहित्याचा सामाजिक व सांस्कृतिक अभ्यास (4 Credits)	-	-	-	20-22	PG Degree After 3 years UG or PG Degree After 4 Year U.G. Diploma (after 3 years Degree)
			एकूण श्रेयांक (Credit) 14	एकूण श्रेयांक 4	-	-	श्रेयांक 4	20-22	
		Sem IV	MRT 401 मध्ययुगीन आणि आधुनिक गद्य (4 Credits) MRT 402 भाषाविज्ञान (4 Credits) MRT 403 लोकसाहित्य (4 Credits)	खालीलपैकी कोणताही एक MRT 404(A) तैलनिक साहित्याभ्यास (4 Credits) MRT 404(B) स्त्रीवादी मराठी साहित्य (4 Credits) MRT 404(C) भाषांतरमीमांसा (4 Credits)	-	-	शोधप्रकल्प	20-22	PG Degree After 3 years UG or PG Degree After 4 Year U.G. Diploma (after 3 years Degree)
			एकूण श्रेयांक (Credits) 12	एकूण श्रेयांक (Credits) 4	-	-	शोधप्रकल्प	20-22	
Cumulative Credit for 1 Year PG Degree			22-26	8			10	40-44	
Cumulative Credit for 2 Years PG Degree			46-54	16	4	4	10	80-88	

2 Years - 4 Sem. PG Degree (80-88 Credits) after three year UG Degree OR
1 Year - 2 Sem. PG Degree (40-44 Credits) after four Year UG Degree.

Prate

Prate
Prate
Prate

NEP - 2020 आधारित पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
M.A. MARATHI (Two Years / One Year P.G.)
with Credit Distribution Structure

सत्र - 1

Major (मुख्य विषय)
Mandatory (अनिवार्य)

MRT 101	: प्राचीन व मध्ययुगीन साहित्याचा इतिहास (4 Creadits)
MRT 102	: साहित्यशास्त्र (4 Creadits)
MRT 103	: आधुनिक मराठी नाटक (4 Creadits)
MRT 104	: आधुनिक मराठी कथा (2 Creadits)
MRT 105	: संशोधनशास्त्र (4 Creadits)

Elective (वैकल्पिक)
(खालीलपैकी कोणताही एक)

MRT 106 (A)	: विशेष वाङ्मयप्रकार : कादंबरी (4 Creadits)
MRT 106 (B)	: विशेष ग्रंथकार : वि. वा. शिरवाडकर (4 Creadits)
MRT 106 (C)	: विशेष ग्रंथकार : यशवंत मनोहर (4 Creadits)

सत्र - 2

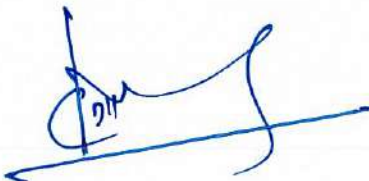
Major (मुख्य विषय)
Mandatory (अनिवार्य)

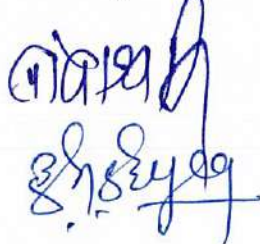
MRT 201	: आधुनिक मराठी साहित्याचा इतिहास (4 Creadits)
MRT 202	: आधुनिक मराठी कविता (4 Creadits)
MRT 203	: साहित्य-समीक्षा (4 Creadits)
MRT 204	: पाश्चात्य साहित्यसिद्धांत (2 Creadits)


Elective (वैकल्पिक)
(खालीलपैकी कोणताही एक)

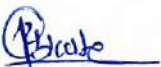
MRT 205 (A)	: मराठी निबंध वाङ्मय (4 Creadits)
MRT 205 (B)	: मराठी ललित गद्य (4 Creadits)
MRT 205 (C)	: चित्रपट आणि साहित्य (4 Creadits)

Mandatory प्रशिक्षण कार्य किंवा क्षेत्र-प्रकल्प (4 Creadits)









- | | | |
|-----|---|----------------------------------|
| 2. | प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास : खंड 1 ते 7 | - अ. ना. देशपांडे |
| 3. | मराठी वाङ्मयाचा इतिहास : खंड 1, 2, 3, 4 | - महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे |
| 4. | महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय | - पं. रा. मोकाशी |
| 5. | महानुभाव पंथ आणि त्याचे वाङ्मय | - शं. गो. तुळपुळे |
| 6. | संतवाङ्मयाची सामाजिक फलश्रुती | - गं. बा. सरदार |
| 7. | पाच भक्तिसंप्रदाय | - र. रा. गोसावी |
| 8. | मुसलमान मराठी संतकवी | - रा. चि. ढेरे |
| 9. | वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना | - संपा. द. दि. पुंडे |
| 10. | संतसाहित्य आणि लोकसाहित्य : काही अनुबंध | - रा. चि. ढेरे |
| 11. | सातीग्रंथ : स्वरूप आणि समीक्षा | - कृ. पं. देशपांडे |
| 12. | पंडित कवी | - के. ना. वाटवे |
| 13. | बखर वाङ्मय : उद्गम आणि विकास | - बापूजी संकपाल |
| 14. | मराठी बखर गद्य | - संपा. गं. व. ग्रामोपाध्ये |
| 15. | मन्हाटी लावणी | - म. वा. धोंड |
| 16. | मराठी वाङ्मयाचा विवेचक इतिहास : प्राचीन | - प्र. न. जोशी |
| 17. | प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास | - ल. रा. नसिराबादकर |
| 18. | मराठी बखरवाङ्मय | - र. वि. हेरवाडकर |
| 19. | मराठी लावणी वाङ्मय | - गंगाधर मोरजे |
| 20. | संतसाहित्याचे बीजप्रवाह | - सतीश बडवे |

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 1

Title of the Course : साहित्यशास्त्र

Course Code : MRT 102

Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 साहित्यशास्त्रातून साहित्य संकल्पना, स्वरूप आणि साहित्याचे अंतरंग समजून घेणे.	1
CO 2 साहित्याचे घटक व प्रयोजन जाणून घेणे.	2
CO 3 साहित्याची निर्मितिप्रक्रिया जाणून घेणे.	3
CO 4 भारतीय साहित्यमीमांसकांच्या जडणघडणीचा आढावा घेणे.	4
CO 5 शब्दांच्या शक्ती जाणून घेणे.	5
CO 6 विविध विचारवंतांच्या साहित्यसिद्धांतांना समजून घेणे.	6

घटक MRT 102 : साहित्यशास्त्र

तासिका

- | | | |
|----|---|----|
| 1. | ● साहित्यशास्त्र : संकल्पना व स्थूल स्वरूप ● ललित व ललितेतर साहित्य
● साहित्याचे घटक ● साहित्याचे प्रयोजन ● साहित्याची निर्मितिप्रक्रिया | 15 |
| 2. | ● भारतीय साहित्यशास्त्र : भारतीय साहित्यमीमांसकांच्या संदर्भात उगम व जडणघडणीचा
स्थूल परामर्श ● शब्दशक्ती : प्रकार व स्वरूप ● अलंकार विचार : स्वरूप व अंतरंग
● रस विचार : विविध उपपत्ती, स्वरूप व अंतरंग | 15 |
| 3. | ● ध्वनी विचार : स्वरूप व अंतरंग ● रीती विचार : स्वरूप व अंतरंग ● वक्रोक्ती विचार :
स्वरूप व अंतरंग ● औचित्य विचार : स्वरूप व अंतरंग | 15 |

De SR Paranjpe
Rajendra
S. Paranjpe
S. Paranjpe
S. Paranjpe
S. Paranjpe

4. ● बा. सी. मर्ढेकर यांचा साहित्यविचार व त्यांचे साहित्यसिद्धांत ● शरच्चंद्र मुक्तिबोध यांचा मानुषता सिद्धांत ● रा. भा. पाटणकर यांचा द्विध्रुवात्मकतेचा सिद्धांत ● द. ग. गोडसे यांचा पोतविचार ● भालचंद्र नेमाडे यांचा देशीयतेचा विचार 15

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय साहित्यशास्त्र	- ग. त्र्यं. देशपांडे
2. रसभावविचार	- र. पं. कंगले
3. रसचर्चा	- पद्माकर दादेगावकर
4. सौंदर्यमीमांसा	- रा. भा. पाटणकर
5. पोत	- द. ग. गोडसे
6. सृष्टी, सौंदर्य आणि साहित्यमूल्य	- शरच्चंद्र मुक्तिबोध
7. सौंदर्य आणि साहित्य	- बा. सी. मर्ढेकर
8. वाङ्मयीन महात्मता	- बा. सी. मर्ढेकर
9. काव्यशास्त्रप्रदीप	- स. रा. गाडगीळ
10. रससूत्र	- नरहर कुरुंदकर
11. प्राचीन काव्यशास्त्र	- र. पं. कंगले
12. भारतीय साहित्यशास्त्र	- राम कापसे
13. भारतीय काव्यशास्त्राची उत्क्रांती	- वा. के. लेले
14. साहित्यविचार	- दि. के. बेडेकर
15. टीकास्वयंवर	- भालचंद्र नेमाडे

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 1

Title of the Course : आधुनिक मराठी नाटक

Course Code : MRT 103

Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 नाटक या वाङ्मयप्रकाराची ओळख पटवून घेणे.	1
CO 2 विविध नाट्या कलाकृतींचे आकलन करून घेणे.	2
CO 3 नाटकाच्या माध्यमातून जीवन जाणवा प्रगल्भ करून घेणे.	3
CO 4 नाटकाच्या माध्यमातून जीवनाची मूल्ये जाणून घेणे.	4
CO 5 नाटकाची ऐतिहासिक जडणघडण जाणून घेणे.	5
CO 6 नाटकांची संहितामूल्ये समजून घेणे.	6

घटक MRT 103 : आधुनिक मराठी नाटक

तासिका

- | | |
|--|----|
| 1. ● नाटक : कलाप्रकार आणि वाङ्मयप्रकार : संकल्पना व स्वरूप ● नाटक : संहितामूल्य व प्रयोगमूल्य ● नाटकाचे घटक ● मराठी नाटकांची ऐतिहासिक जडणघडण | 15 |
| 2. ● संगीत सौभद्र - बळवंत पांडुरंग किलोस्कर ● संगीत शारदा - गोविंद बल्लाळ देवल | 15 |
| 3. ● मी जिकलो मी हरलो - विजय तेंडुलकर ● एक शून्य बाजीराव - चिं. त्र्यं. खानोलकर | 15 |
| 4. ● वाडा चिरेबंदी - महेश एलकुंचवार ● किरवंत - प्रेमानंद गज्वी | 15 |

(Handwritten signatures and names)

Dr. S. Paranjpe
P. K. K.
S. K. K.
S. K. K.
S. K. K.

संदर्भ ग्रंथ

1. आजचे नाटककार - संपा. दत्तात्रेय पुंडे, स्नेहल तावरे
2. दलित रंगभूमी - भालचंद्र फडके
3. नाटक : एक चिंतन - वसंत कानेटकर
4. कालचे नाटककार - पु. श्री. कानडे
5. नाट्यस्वगत : स्वरूप आणि समीक्षा - शकुंतला खोत
6. मराठी नाटक आणि रंगभूमी : पहिले शतक (1843-1943) - वि. भा. देशपांडे
7. मराठीचे नाट्यतंत्र - मो. द. ब्रम्हे
8. शोकनाट्याचे साहित्यरूप - सदा कन्हाडे
9. शोकांतिकेचा उदय - विलास खोले
10. सुखात्मिकेचे स्वरूप - गोकाककर व दंडगेकर
11. मराठी नाट्यपद : स्वरूप आणि समीक्षा - अ. द. वेलणकर
12. आगळीवेगळी नाट्यरूपे - रा. म. जाधव
13. रंगविमर्श - नरहर कुरुंदकर
14. संगीत सौभद्र : घटना आणि स्वरूप - संपा. व. दि. कुळकर्णी
15. मराठी नाटक आणि रंगभूमी (स्वातंत्र्योत्तर काळ) - वि. भा. देशपांडे
16. एलकुंचवारांची नाट्यसृष्टी - डॉ. संध्या अमृते
17. खानोलकरांचे नाटक - डॉ. माधवी वैद्य
18. तेंडुलकरांची नाटके : पाठ्य व प्रयोग - डॉ. रमेश धोंगडे
19. एलकुंचवारांची नाटके - संजय आर्वीकर

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 1

Title of the Course : आधुनिक मराठी कथा

Course Code : MRT 104

Number of Credits : 02

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 कथा या वाङ्मयप्रकाराची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2 कथेचे विविध घटक समजून घेणे.	2
CO 3 कथेचे आशयतत्त्व आणि अभिव्यक्तिरूपे समजून घेणे.	3
CO 4 कथेच्या माध्यमातून जीवनाची मूल्ये जाणून घेणे.	4
CO 5 कथेची ऐतिहासिक जडणघडण जाणून घेणे.	5
CO 6 विविध कथाकारांच्या कथांतून येणारे वास्तव समाजात शोधणे.	6

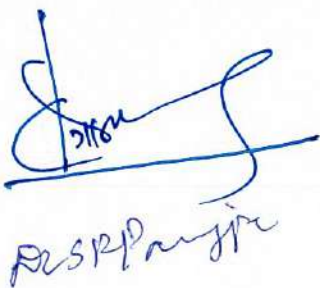
घटक MRT 104 : आधुनिक मराठी कथा

तासिका

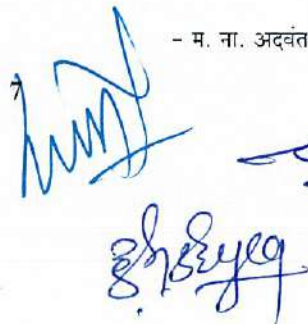
1. ● कथा वाङ्मयप्रकार : संकल्पना व स्वरूप ● कथा या वाङ्मयप्रकाराचे विविध घटक 08
2. ● तलावातील चांदणे - गंगाधर गाडगीळ 07
3. ● जेव्हा मी जात चोरली होती - बाबूराव बागुल ● 08
4. ● आहे हे असं आहे - गौरी देशपांडे 07

संदर्भ ग्रंथ

1. मराठी कथासाहित्य - म. ना. अदवंत









2.	मराठी कथा : स्वरूप व आस्वाद	- दा. वि. कुळकर्णी
3.	मराठी कथा : उद्गम आणि विकास	- इंदुमती शेवडे
4.	मराठीतील कथारूपे	- रा. म. जाधव
5.	मराठीतील कथनरूपे	- वसंत आबाजी डहाके
6.	कथा : संकल्पना आणि समीक्षा	- सुधा जोशी
7.	मराठी दलित कथा	- अविनाश डोळस
8.	दलित कथा : उद्गम आणि विकास	- प्रकाश खरात
9.	ग्रामीण कथा : स्वरूप आणि विकास	- वासुदेव मुलाटे
10.	जी. ए. कुलकर्णीच्या कथा : एक अन्वयार्थ	- डॉ. वि. देशपांडे
11.	जीएंच्या महाकथा	- द. भि. कुळकर्णी
12.	स्त्रियांची नवकथा : वाटा आणि वळणे	- मंगला वरखेडे
13.	स्त्रियांचे कथालेखन	- संपा. अरुणा ढेरे
14.	कथा गौरीची	- संपा. विद्या बाळ व इतर
15.	आनंद यादव : साहित्य आणि जीवन	- डॉ. एम. एस. कानडजे
16.	दीर्घकथा : संकल्पना आणि स्वरूप	- डॉ. मदन कुलकर्णी
17.	मुक्त गौरी	- डॉ. संध्या अमृते

०००


Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 1
 Title of the Course : संशोधनशास्त्र
 Course Code : MRT 105
 Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 संशोधनाची संकल्पना समजून घेणे. संशोधनाच्या प्रेरणा, विविध पद्धती, व्याख्या आणि प्रयोजने लक्षात घेणे.	1
CO 2 संशोधकाची गुणवैशिष्ट्ये, संशोधन प्रक्रियेतील टप्पे आणि संशोधनाची विविध साधने यांचे सोदाहरण विवरण करता येणे.	2
CO 3 वाङ्मयीन संशोधनाच्या विविध अभ्यासक्षेत्रांचे स्वरूप स्पष्ट करणे.	3
CO 4 आंतरविद्याक्षेत्रीय संशोधनाच्या स्वरूपाची ओळख होणे.	4
CO 5 मराठीतील संशोधकांच्या परंपरेचा परिचय होऊन या परंपरेतील संशोधनाचे महत्त्वमापन करता येणे.	5
CO 6 विद्यार्थ्यांमध्ये विविध क्षेत्रात संशोधन करण्याची अभिरूची निर्माण करणे.	6

घटक MRT 105 : संशोधनशास्त्र

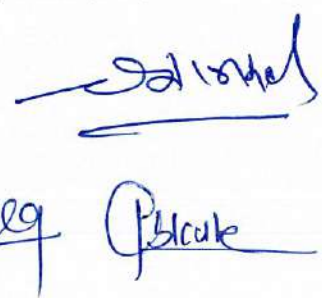
तासिका

- संशोधन : संकल्पना व स्वरूप ● संशोधनाचे हेतू व प्रयोजन ● संशोधनाची आवश्यकता ● उत्तम संशोधकाचे गुणविशेष ● संशोधनाची प्रक्रिया 15
- संशोधनाचे प्रकार व व्याप्ती - विज्ञान संशोधन, सामाजिक संशोधन, भाषिक संशोधन, साहित्य व कला संशोधन ● भाषा क्षेत्रातील संशोधनाचे स्वरूप ● वाङ्मय क्षेत्रातील संशोधनाचे स्वरूप ● वाङ्मय संशोधनाच्या विविध पद्धती ● वाङ्मय संशोधनाची साधने- पुस्तके, नियतकालिके, कोशवाङ्मय, सूचिवाङ्मय, हस्तलिखिते, शिलालेख, ताम्रपट इत्यादि 15


Dr. S. R. Paranjpe


Dr. S. R. Paranjpe


Dr. S. R. Paranjpe


Dr. S. R. Paranjpe

3. ● वाङ्मय संशोधनाची विविध अभ्यासक्षेत्रे ● साहित्यकृतीनिष्ठ संशोधन ● साहित्यप्रकारनिष्ठ संशोधन ● लेखकनिष्ठ संशोधन ● कालखंडनिष्ठ संशोधन ● भाषिक संशोधन 15
● लोकसाहित्यविषयक संशोधन ● तौलनिक साहित्याभ्यास
4. ● संशोधन आराखड्याचे लेखन व प्रारूपाची मांडणी ● संशोधन समस्या व समस्येची मांडणी 15
● संशोधनाची उद्दिष्टे ● संशोधनाचे गृहितक ● संशोधन सामग्री व साधने ● संशोधनाची अभ्यासपद्धती ● संदर्भ सूची, परिशिष्टे व इतर

संदर्भ ग्रंथ

- | | |
|---|---------------------------|
| 1. सामाजिक संशोधन पद्धती | - पु. ल. भांडारकर |
| 2. मराठी साहित्य संशोधन : स्वरूप आणि दिशा | - श. रा. राणे |
| 3. शोधनिबंधाची लेखनपद्धती | - स. गं. मालशे |
| 4. प्रबंध कसा लिहावा ? | - जयंत वेलणकर |
| 5. संशोधन पद्धती : प्रक्रिया आणि अंतरंग | - दु. का. संत |
| 6. भाषा व साहित्य संशोधन : खंड 1,2,3. | - संपा. वसंत जोशी आणि इतर |
| 7. मराठी संशोधनविद्या | - उषा देशमुख |
| 8. साहित्यशोधणी | - उषा देशमुख |
| 9. संशोधन : सिद्धांत आणि पद्धती | - संपा. सु. रा. चुनेकर |
| 10. संशोधन : सिद्धांत आणि पद्धती | - सदा कऱ्हाडे |
| 11. संशोधनाची क्षेत्रे आणि पद्धती | - जयश्री पाटणकर |

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 1

Title of the Course : विशेष वाङ्मयप्रकार : कादंबरी

Course Code : MRT 106 (A)

Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 कादंबरी या वाङ्मयप्रकाराची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2 कादंबरीच्या वाङ्मयीन आकृतिबंधाचे विविध घटक समजून घेणे.	2
CO 3 कादंबरीचे आशयतत्त्व आणि अभिव्यक्तिरूपे समजून घेणे.	3
CO 4 कादंबरीच्या माध्यमातून जीवनाची मूल्ये जाणून घेणे.	4
CO 5 कादंबरीची ऐतिहासिक जडणघडण जाणून घेणे.	5
CO 6 विविध कादंबरीकारांच्या कथांतून येणाऱ्या समाजवास्तवाचा शोध घेणे.	6

घटक MRT 106 (A) : विशेष वाङ्मयप्रकार : कादंबरी तासिका

- | | |
|---|----|
| 1. ● कादंबरी वाङ्मयप्रकार : संकल्पना व स्वरूप ● कादंबरी या वाङ्मयीन आकृतिबंधाचे विविध घटक ● कादंबरी : आशयतत्त्वे व अभिव्यक्तिरूपे ● मराठी कादंबरीची ऐतिहासिक जडणघडण | 15 |
| 2. ● वज्राघात - ह. ना. आपटे ● इंदू काळे व सरला भोळे - वा.म. जोशी | 15 |
| 3. ● बळी - विभावरी शिरूरकर ● कोसला - भालचंद्र नेमाडे | 15 |

(Handwritten signatures and names)

Asst. Professor

संदर्भग्रंथ

1. साहित्य : अध्यापन आणि प्रकार
2. कादंबरी
3. कादंबरी आणि मराठी कादंबरी
4. गेल्या अर्धशतकातील मराठी कादंबरी
5. मराठी कादंबरीचा इतिहास
6. कादंबरी समीक्षा
7. मराठी कादंबरी : पहिले शतक
8. मराठी कादंबरी : तंत्र आणि विकास
9. कादंबरी : एक साहित्यप्रकार
10. धार आणि काठ
11. मराठी कादंबरी : आस्वाद्यात्रा
12. टीकास्वयंवर
13. कादंबरीविषयी
14. मराठी नवकादंबरी
15. मुक्तिबोधोचे साहित्य
16. कोसलाबद्दल
17. कादंबरी : स्वरूप आणि समीक्षा
18. 'ब-बळीचा' विषयी

- संपा. श्री. पु. भागवत आणि इतर
- ल. ग. जोग
- उषा हस्तक
- संपा. विलास खोले
- चंद्रकांत बांदिवडेकर
- श्री. मा. कुळकर्णी
- कुसुमावती देशपांडे
- प्र. वा. चापट, ना. वा. गोडबोले
- हरिश्चंद्र थोरात
- नरहर कुर्ंदकर
- संपा. विजया राजाध्यक्ष
- भालचंद्र नेमाडे
- हरिश्चंद्र थोरात
- विलास सारंग
- रा.भा. पाटणकर
- संपादक : बाबा भांड
- द. भि. कुळकर्णी
- संपादक शरयू असोलकर

किंवा

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 1

Title of the Course : विशेष ग्रंथकार : वि. वा. शिरवाडकर

Course Code : MRT 106 (B)

Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 विशेष ग्रंथकाराच्या अभ्यासाची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2 लेखकाचे व्यक्तिमत्त्व व साहित्यनिर्मिती यांचा परस्परसंबंध शोधणे.	2
CO 3 स्वातंत्र्यपूर्व व स्वातंत्र्योत्तर काळातील महाराष्ट्रीय पार्श्वभूमी शोधणे.	3
CO 4 वि. वा. शिरवाडकर यांचे जीवनचरित्र जाणून घेणे.	4
CO 5 वि.वा. शिरवाडकरांच्या कवितासंग्रहांबद्दल जाणून घेणे.	5
CO 6 वि.वा. शिरवाडकरांच्या कथासंग्रह व इतर साहित्यकृतींबद्दल जाणून घेणे.	6

घटक MRT 106 (B) : विशेष ग्रंथकार : वि. वा. शिरवाडकर

तासिका

1. • विशेष ग्रंथकाराचा अभ्यास : संकल्पना व स्वरूप • लेखकाचे व्यक्तिमत्त्व व साहित्यनिर्मिती : परस्परसंबंध • स्वातंत्र्यपूर्व व स्वातंत्र्योत्तर काळातील महाराष्ट्रीय सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी • वि. वा. शिरवाडकर यांचे जीवनचरित्र व व्यक्तित्वाची जडणघडण 15
2. • विशाखा (कवितासंग्रह / संपादक - वि. स. खांडेकर) • कुसुमाग्रज : प्रवासी पक्षी (कवितासंग्रह-संपादक -प्रा. शंकर वैद्य) 15

10

3. • नटसम्राट (नाटक) • जान्हवी (कादंबरी) 15
4. • कुसुमाग्रजांच्या बारा कथा (कुसुमाग्रज) (संपा.बा.वा. दातार) 15
• विरामचिन्हे (ललितनिबंध)

संदर्भ ग्रंथ

- | | |
|---|--------------------------------------|
| 1. कुसुमाग्रजांची नाटके | - शोभना देशमुख |
| 2. कविता कुसुमाग्रजांची | - अक्षयकुमार काळे |
| 3. कुसुमाग्रज : साहित्य समीक्षा | - संपा. ग. वि. अकोलकर, बा. वा. दातार |
| 4. नटसम्राट समीक्षा | - संपा. गो. तु. पाटील |
| 5. कुसुमाग्रज : साहित्यदर्शन | - उषा देशमुख |
| 6. वि. वा. शिरवाडकरांची नाट्यसृष्टी | - विशाखा संजय कांबळे |
| 7. कुसुमाग्रजांच्या कवितेचा उगम आणि विकास | - द. दि. पुंडे |
| 8. कुसुमाग्रज : शिरवाडकर : एक शोध | - द. दि. पुंडे |
| 9. कुसुमाग्रज गौरव | - माधव गडकरी |
| 10. तो प्रवास सुंदर होता | - के. रं. शिरवाडकर |

किंवा

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष / सत्र 1
Title of the Course : विशेष ग्रंथकार : यशवंत मनोहर
Course Code : MRT 106 (C)
Number of Credits : 04

Course outcome Description

**Cognitive level
(Bloom's level)**

- | | | |
|------|--|---|
| CO 1 | विशेष ग्रंथकाराच्या अभ्यासाची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे. | 1 |
| CO 2 | लेखकाचे व्यक्तिमत्त्व व साहित्यनिर्मिती यांचा परस्परसंबंध शोधणे. | 2 |
| CO 3 | साठोत्तरी कालखंडातील महाराष्ट्रीय पार्श्वभूमी शोधणे. | 3 |
| CO 4 | यशवंत मनोहर यांचे जीवनचरित्र जाणून घेणे. | 4 |
| CO 5 | यशवंत मनोहरांच्या कवितासंग्रहांबद्दल जाणून घेणे. | 5 |
| CO 6 | यशवंत मनोहर यांच्या कादंबरी व इतर साहित्यकृतींबद्दल जाणून घेणे. | 6 |

घटक MRT 106 (C) : विशेष ग्रंथकार : यशवंत मनोहर

तासिका

- | | | |
|----|---|----|
| 1. | • विशेष ग्रंथकाराचा अभ्यास : संकल्पना व स्वरूप • लेखकाचे व्यक्तिमत्त्व व साहित्यनिर्मिती: परस्परसंबंध • साठोत्तरी, कालखंडातील महाराष्ट्रीय सामाजिक, सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी • डॉ. यशवंत मनोहर यांचे जीवनचरित्र व व्यक्तित्वाची जडणघडण | 15 |
| 2. | • उत्थानगुंफा (कवितासंग्रह) • स्वप्नसंहिता (कवितासंग्रह) | 15 |
| 3. | • रमाई (कादंबरी) • मी यशोधरा (कादंबरी) | 15 |
| 4. | • परिवर्तनाचे पडघम (वैचारिक) • साहित्याचे इहवादी सौंदर्यशास्त्र (साहित्यशास्त्र) | 15 |

संदर्भ ग्रंथ

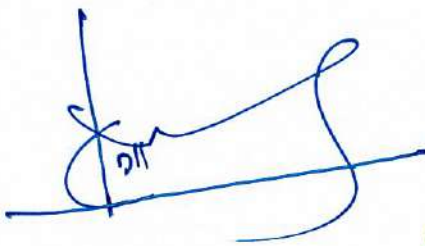
- | | |
|--|----------------------------|
| 1. डॉ. यशवंत मनोहर : एक प्रज्ञाशील प्रतिभा | - संपा. डॉ. शैलेंद्र लेंडे |
| 2. डॉ. यशवंत मनोहर : वेध एका युगसाक्षी प्रतिभेचा | - संपा. डॉ. अनमोल शेंडे |


Ar. S. Paranjpe
11
Zilme
शुद्धी
P. R. K.

3. दलित कविता व दलित कवितेचे सौंदर्यशास्त्र
4. दलित कविता : नवे प्रवाह
5. दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह
6. निळी पहाट
7. आंबेडकरवादी मराठी साहित्य
8. दलित कादंबरीची अभिनव वाटचाल
9. दलित कादंबरी
10. डॉ. यशवंत मनोहर: नवनिर्माणाची कार्यशाळा
11. उत्थान गुंफा : आकलनाचे आलेख
12. वैचारिक निबंधकार डॉ. यशवंत मनोहर

- म. सु. पाटील
- महेंद्र भवरे
- भालचंद्र फडके
- रा. ग. जाधव
- यशवंत मनोहर
- सुशीला ढगे
- नंदा मेश्राम
- संपादक डॉ. अरुणा देशमुख
- डॉ. शैलेंद्र लेंडे

०००


Dr. Yashwantrao Manohar


Dr. Aruna Deshmukh


Dr. Shailendra Lende


Dr. Nanda Meshram

NEP - 2020 आधारित पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
M.A. MARATHI (Two Years / One Year P.G.)
(with Credit Distribution Structure)

एम. ए. (मराठी) भाग 1

सत्र - II

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 2
Title of the Course : आधुनिक मराठी साहित्याचा इतिहास
Course Code : MRT 201
Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 आधुनिक मराठी साहित्याद्वारे नवी वैचारिक मूल्ये जाणून घेणे.	1
CO 2 आधुनिक कालखंडातील राजकीय, सामाजिक पार्श्वभूमी जाणून घेणे.	2
CO 3 आधुनिक मराठी साहित्याची निर्मितप्रक्रिया जाणून घेणे.	3
CO 4 आधुनिक कालखंडातील मराठी साहित्याची जडणघडण जाणून घेणे	4
CO 5 आधुनिक मराठी साहित्यातील विविध साहित्यप्रवाहांची जाणीव करून घेणे.	5
CO 6 विविध विचारवंतांच्या विचारांना जाणून घेणे.	6

घटक MRT 201 : आधुनिक मराठी साहित्याचा इतिहास तासिका

- अखिल इंग्रजी कालखंडातील राजकीय- सामाजिक-सांस्कृतिक पार्श्वभूमी ● अखिल इंग्रजी कालखंडातील आधुनिक मराठी साहित्याची निर्मितप्रक्रिया ● अखिल इंग्रजी कालखंडातील मराठी साहित्य : स्वरूप व आशयसूत्रे ● अखिल इंग्रजी कालखंडातील महाराष्ट्रीय प्रबोधनपूर्व आणि आधुनिक मराठी साहित्याची जडणघडण 15
- मराठी नियतकालिके, त्यातील वाङ्मयाचे स्वरूप आणि त्यांचे मराठी वाङ्मयनिर्मितीतील योगदान ● मराठी निबंधवाङ्मय : स्वातंत्र्यपूर्व व स्वातंत्र्योत्तर मराठी निबंधवाङ्मयाचा विविध टप्प्यांतील इतिहास ● मराठी कविता : स्वातंत्र्यपूर्व व स्वातंत्र्योत्तर मराठी काव्याची ऐतिहासिक वाटचाल ● मराठी कादंबरीची ऐतिहासिक वाटचाल (स्वातंत्र्यपूर्व आणि स्वातंत्र्योत्तर) 15
- स्वातंत्र्यपूर्व व स्वातंत्र्योत्तर मराठी नाटकांचा इतिहास ● मराठी कथा : स्वातंत्र्यपूर्व व स्वातंत्र्योत्तर मराठी कथेचा स्थूल इतिहास ● मराठीतील चरित्र आत्मचरित्र वाङ्मय : स्वातंत्र्यपूर्व व स्वातंत्र्योत्तर वाटचाल ● मराठीतील समीक्षा : ऐतिहासिक जडणघडण व प्रवास 15
- गांधीवादी मराठी साहित्य : स्थूल इतिहास ● दलित आंबेडकरवादी मराठी साहित्य : स्थूल इतिहास ● स्त्रीवादी मराठी साहित्य : स्थूल इतिहास ● ग्रामीण मराठी साहित्य : स्थूल इतिहास 15

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी - गो. म. कुळकर्णी
2. आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास : खंड 4, 5, 6 - महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे

13

[Handwritten signatures and names]

SR Paranjpe

डॉ. श्याम माधव धोंड • मराठी दलित कविता -संपादक वी. रंगराव (साहित्य अकादमी)

संदर्भ ग्रंथ

- | | |
|---|----------------------------------|
| 1. कविता : संकल्पना, निर्मिती आणि समीक्षा | - वसंत पाटणकर |
| 2. काही अर्वाचीन कवी : जाणिवा आणि शैली | - सुधीर रसाळ |
| 3. अर्वाचीन मराठी काव्यदर्शन | - अक्षयकुमार काळे |
| 4. दलित कविता | - म. सु. पाटील |
| 5. मराठी कविता : स्वरूप आणि विवेचन | - निशिकांत ठकार |
| 6. स्वातंत्र्योत्तर मराठी कविता | - संपा. सुषमा करोगल |
| 7. कविता आणि प्रतिमा | - सुधीर रसाळ |
| 8. कवितेविषयी | - संपा. वसंत आबाजी डहाके |
| 9. केशवसुत समीक्षा | - संपा. नाडकर्णी आणि इतर |
| 10. मढेकरांची कविता : एक अभ्यास | - धों. वि. देशपांडे |
| 11. मढेकरांची कविता : आकलन, आस्वाद आणि चिकित्सा | - अक्षयकुमार काळे |
| 12. मढेकरांची कविता : स्वरूप आणि संदर्भ - खंड 1 व 2 | - विजया राजाध्यक्ष |
| 13. अर्वाचीन मराठी काव्यमीमांसा | - संपा.राजेंद्र नाईकवाडे आणि इतर |
| 14. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज : व्यक्ती आणि वाङ्मय | - संपा. अक्षयकुमार काळे |
| 15. मराठी कविता : परंपरा आणि दर्शन | - संपा. रवींद्र शोभणे |
| 16. तांबे आणि त्यांचे गीतिकाव्य | - भ. श्री. पंडित |
| 17. तांबे : एक अध्ययन | - रा. अ. काळेंले |

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 2

Title of the Course : साहित्यसमीक्षा

Course Code : MRT 203

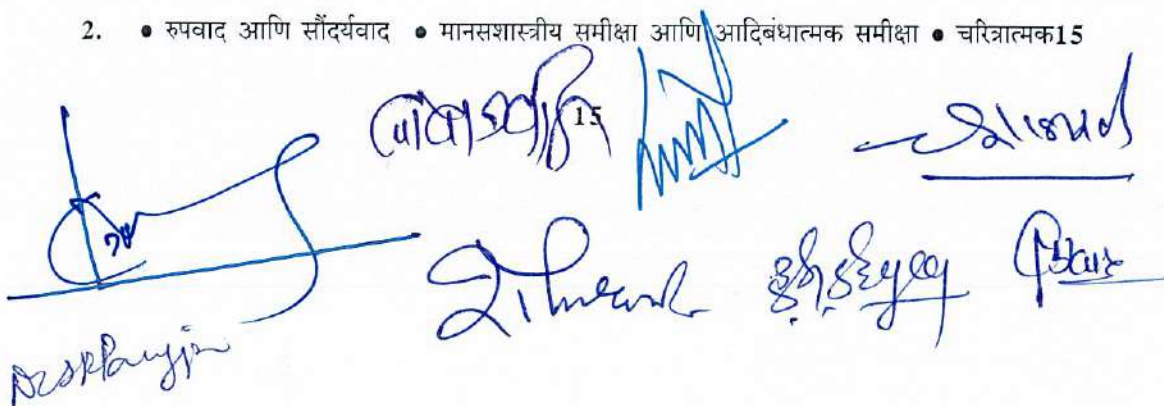
Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 समीक्षेची संकल्पना समजून घेणे.	1
CO 2 समीक्षेची प्रयोजने जाणून घेणे.	2
CO 3 समीक्षेच्या कार्याचा आढावा घेणे.	3
CO 4 मराठी समीक्षेची वाटचाल जाणून घेणे.	4
CO 5 समीक्षेच्या विविध पद्धती अभ्यासणे.	5
CO 6 समीक्षेच्या विविध प्रकारांना जाणून घेणे.	6

घटक MRT 203 : साहित्यसमीक्षा

तासिका

- | | |
|--|----|
| 1. • समीक्षा : संकल्पना व स्वरूप, प्राचीन व अर्वाचीन साहित्यसमीक्षा • समीक्षेची प्रयोजने आणि समीक्षेचे मुख्य प्रकार : आस्वादक (उपयोजित) आणि सैद्धांतिक (तात्त्विक) • समीक्षेचे कार्य, समीक्षा व्यवहार आणि प्रक्रिया : विविध घटकतत्त्वे (वाचन, अर्थनिर्णयन, आस्वादाने, विश्लेषण, मूल्यमापन) • मराठी समीक्षेची वाटचाल : स्वातंत्र्यपूर्व आणि स्वातंत्र्योत्तर कालखंड | 15 |
| 2. • रुपवाद आणि सौंदर्यवाद • मानसशास्त्रीय समीक्षा आणि आदिबंधात्मक समीक्षा • चरित्रात्मक | 15 |



समीक्षापद्धती आणि समाजशास्त्रीय समीक्षा पद्धती • स्त्रीवादी व देशीवादी समीक्षा

3. • निवडक मराठी समीक्षा -संपादक गो. मा. पवार/ म. द. हालकणंगेलकर • भारतीय दलित साहित्य-संपादक शरणकुमार लिंबाळे (विभाग 1 मधील 12 लेख अभ्यासक्रमात फक्त) 15
4. • हिमवंतीची सरोवरे - द. भि. कुळकर्णी - प्रस्तावना म. द. हातकणंगेलकर 15
- निवडक समीक्षा - रा.ग. जाधव - प्रस्तावना म. द. हातकणंगेलकर

संदर्भग्रंथ

- | | |
|--|---------------------------|
| 1. आधुनिक समीक्षा सिद्धांत | - मिलिंद मालशे, अशोक जोशी |
| 2. समीक्षेची नवी रूपे | - गंगाधर पाटील |
| 3. विसाव्या शतकातील मराठी समीक्षा | - संपा. विलास खोले |
| 4. गेल्या अर्ध शतकातील मराठी समीक्षा | - संपादक डॉ. विलास खोले |
| 5. शैलीवैज्ञानिक समीक्षा | - रमेश धोंगडे |
| 6. रसास्वाद : वाङ्मय आणि कला | - माधव आचवल |
| 7. रसग्रहण : कला आणि स्वरूप | - गो. म. कुळकर्णी |
| 8. नवसमीक्षा : काही विचारप्रवाह | - संपा. गो. म. कुळकर्णी |
| 9. वाङ्मयीन रसास्वाद | - भीमराव कुळकर्णी |
| 10. साहित्याचे तत्त्वज्ञान | - वि. ना. ढवळे |
| 11. संहितासमीक्षा आणि पारिभाषिक संज्ञा | - वसंत दावतर |
| 12. मराठी टीका | - संपा. वसंत दावतर |
| 13. आत्मलक्ष्यी समीक्षा | - रमेश धोंगडे |
| 14. टीकाविवेक | - श्री. के. क्षीरसागर |
| 15. साठोत्तरी मराठी समीक्षा | - केशव सत्रे |
| 16. देशीयता ते जागतिकीकरण | - मदन कुळकर्णी |
| 17. समीक्षेतील नव्या संकल्पना | - मनोहर जाधव |
| 18. टीकास्वयंवर | - भालचंद्र नेमाडे |
| 19. मराठी समीक्षेची सद्यःस्थिती | - वसंत आबाजी डहाके |
| 20. समीक्षामांसा | - गंगाधर पाटील |
| 21. स्त्रीवादी समीक्षा : स्वरूप आणि उपयोजन | - डॉ. अश्विनी धोंगडे |

०००

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 2

Title of the Course : पाश्चात्य साहित्यसिद्धांत

Course Code : MRT 204

Number of Credits : 02

Course outcome Description

Cognitive level
(Bloom's level)

- | | | |
|------|--|---|
| CO 1 | पाश्चात्य साहित्यसिद्धांताची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे. | 1 |
| CO 2 | पाश्चात्य साहित्यसिद्धांताचे विविध घटक समजून घेणे. | 2 |
| CO 3 | पाश्चात्य विचारवंतांचे विचार व भूमिका जाणून घेणे. | 3 |
| CO 4 | पाश्चात्य विचारवंतांचे सिद्धांत अभ्यासणे. | 4 |
| CO 5 | पाश्चात्य विचारवंतांचे साहित्यविषयक विचार जाणून घेणे. | 5 |
| CO 6 | साहित्यसिद्धांतांसंबंधी विविध वाद अभ्यासणे. | 6 |

16

(Handwritten signatures and marks)

घटक MRT 204 : पाश्चात्य साहित्यसिद्धांत

तासिका

- | | | |
|----|---|----|
| 1. | ● पाश्चात्य साहित्यशास्त्राचे स्थूल स्वरूप ● अनुकृतीचा सिद्धांत ● कॅथारिसिसचा सिद्धांत | 08 |
| 2. | ● क्रोचे यांचा साहित्यविचार ● कोलरिज यांचा साहित्यविचार ● कांटचा साहित्यविचार | 07 |
| 3. | ● अभिजातवाद : साहित्यसिद्धांत ● स्वच्छंदतावाद (रोमॅंटिसिझम) साहित्यसिद्धांत | 08 |
| 4. | ● अस्तित्त्ववाद : साहित्यसिद्धांत ● मार्क्सवादी व उत्तर-मार्क्सवादी पाश्चात्य साहित्यसिद्धांत | 07 |

संदर्भ ग्रंथ

- | | | |
|-----|--|-----------------------------------|
| 1. | आधुनिक साहित्यसिद्धांत | - मिलिंद मालशे, अशोक जोशी |
| 2. | साहित्य - सिद्धांत (अनुवाद) | - गं. मालशे |
| 3. | मार्क्सवाद - उत्तर मार्क्सवाद | - अशोक चौसाळकर |
| 4. | पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : सिद्धांत आणि संकल्पना | - सुरेश धायगुडे |
| 5. | ऑरिस्टाटलचे काव्यशास्त्र | - गो. वि. करंदीकर |
| 6. | क्रोचेचे सौंदर्यशास्त्र : एक भाष्य | - रा. भा. पाटणकर |
| 7. | कांटची सौंदर्यमीमांसा | - रा. भा. पाटणकर |
| 8. | कलेची मूलतत्वे | - अनु. स. गं. मालशे, मिलिंद मालशे |
| 9. | समीक्षेतील नव्या संकल्पना | - संपा. मनोहर जाधव |
| 10. | संरचनावाद, उत्तर -संरचनावाद व प्राच्य काव्यशास्त्र | - गोपीचंद नारंग |

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 2**Title of the Course** : मराठी निबंध वाङ्मय**Course Code** : MRT 205 (A)**Number of Credits** : 04**Course outcome Description****Cognitive level
(Bloom's level)**

- | | | |
|------|---|---|
| CO 1 | मराठी निबंध वाङ्मयाची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे. | 1 |
| CO 2 | वैचारिक निबंधांचा प्राचीन व अर्वाचीन अनुबंध तपासणे. | 2 |
| CO 3 | मराठी निबंध वाङ्मयाचे मराठी साहित्यातील महत्त्वपूर्ण योगदान समजून घेणे. | 3 |
| CO 4 | मराठी निबंध वाङ्मयाची वैचारिक वाटचाल समजून घेणे. | 4 |
| CO 5 | मराठी निबंध वाङ्मयाची वैचारिक वैविध्यता समजून घेणे. | 5 |
| CO 6 | विचारवंतांच्या निबंधांचा आढावा घेणे. | 6 |

घटक MRT 205 (A) : मराठी निबंध वाङ्मय

तासिका

- | | | |
|----|---|----|
| 1. | ● निबंध : उगम, संकल्पना आणि स्वरूप ● वैचारिक निबंध : प्राचीन व अर्वाचीन अनुबंध
● 'निबंध' ह्या आकृतिबंधाची घटकतत्त्वे ● वैचारिक निबंधाची वाटचाल : स्वातंत्र्यपूर्व
आणि स्वातंत्र्योत्तर कालखंड | 15 |
| 2. | ● लोकहितवादींची शतपत्रे : संपादक - पु. ग. सहस्त्रबुद्धे (साहित्य अकादमी)
● चिपळूणकर लेखसंग्रह - संपादक - मा. ग बुद्धिसागर (साहित्य अकादमी) | 15 |
| 3. | ● विनाबो सारस्वत - संपादक राम शेवाळकर (साहित्य अकादमी) ● भारताचा राष्ट्रवाद | 15 |

(Handwritten signatures and names)

DRS Prangir

(पु. ग. सहस्रबुद्धे यांचे निवडकलेख) - संपादक स.ह. देशपांडे व य. शं. लेले

4. ● भजन - नरहर कुरुंदकर ● नव्या युगाची स्पंदने (गं. बा. सरदार यांची लेख)
- संपादक प्र. चिं. शेजवलकर

15

संदर्भग्रंथ

1. निबंध : शास्त्र व कला - प्र. न. जोशी
2. मराठी निबंध-लघुनिबंध : स्वरूपविवेचन - वि. पा. देऊळगावकर, चंद्रकांत देऊळगावकर
3. मराठी निबंधाची वाटचाल - शं. गो. तुळपुळे
4. अर्वाचीन मराठी गद्याची पूर्वपीठिका - गं. बा. सरदार
5. वाङ्मयीन निबंधलेखन - रा. ग. जाधव
6. मराठी निबंध : स्वरूप - गिरीश मोरे
8. प्रदक्षिणा : खंड 1, 2 - संपा. अनिरुद्ध कुळकर्णी कॉन्टिनेंटल प्रकाशन
9. मराठी निबंध - म. वि. फाटक
10. मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड 4, 5, 6, 7 - महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
11. आजचे निबंध - म. वि. फाटक, ज. के. रानडे
12. नरहर कुरुंदकर : ते होते जीवित - संपादन प्रा. मधुकर राहेगावकर

किंवा

Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 2

Title of the Course : मराठी ललित गद्य

Course Code : MRT 205 (B)

Number of Credits : 04

Course outcome Description

Cognitive level
(Bloom's level)

CO 1	ललित गद्याची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2	ललित गद्याच्या आकृतिबंधाची घटकतत्त्वे समजून घेणे.	2
CO 3	ललित गद्याचे मराठी साहित्यातील महत्त्वपूर्ण योगदान समजून घेणे.	3
CO 4	ललित गद्याची वैचारिक वाटचाल समजून घेणे.	4
CO 5	ललित गद्याचे विविध प्रकार समजून घेणे.	5
CO 6	ललित गद्य लेखकांच्या लेखनाचा आढावा घेणे.	6

घटक MRT 205 (B) : मराठी ललित गद्य

तासिका

1. ● ललित निबंध : संकल्पना व स्वरूप ● ललित निबंधाचे उपप्रकार 1. आठवणी व अनुभव, 15
2. लघुनिबंध, 3. प्रवासलेख, 4. व्यक्तिचित्रे, 5. ललितलेख ● ललितगद्यलेखन :
आकृतिबंधाची घटकतत्त्वे ● ललित निबंध लेखन : स्वातंत्र्यपूर्व आणि स्वातंत्र्योत्तर इतिहास
2. ● गुजगोष्टी - ना.सी. फडके ● गणगोत - पु. ल. देशपांडे 15
3. ● करंदीकरांचे समग्र लघुनिबंध - संपादक विजया राजाध्यक्ष ● प्रेमातून प्रेमाकडे -अरुणा ढेरे 15
4. ● प्रतिनिधिक लघुनिबंध संग्रह (साहित्य अकादमी) - संपादक-के.ज. पुरोहित 15
● मौनराग - महेश एलकुंचवार

संदर्भग्रंथ

18

Dr. S. Parajpe

21/1/2021

1. मराठी निबंध : लघुनिबंध : स्वरूप विवेचन	- वि.पां. देऊळगावकर
2. ललित गद्याचे तात्त्विक स्वरूप आणि मराठी लघुनिबंधाचा इतिहास	- आनंद यादव
3. ललित साहित्यातील आकृतिबंधाची जडणघडण	- मधु कुलकर्णी
4. मराठी प्रवासवर्णने	- वसंत सावंत
5. प्रदक्षिणा : खंड 1, 2	- संपा. अनिरुद्ध कुलकर्णी
6. गद्यप्रासाद	- संपा. म. ना. अदवंत, भीमराव कुलकर्णी
7. मराठीतील ललित गद्य : विचार आणि विस्तार (अक्षरयात्रा 2011-12)	- संपा. उज्ज्वला मेंहेदळे
8. आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास : खंड 2	- अ. ना. देशपांडे
9. अमृतसिद्धी खंड 1 व खंड 2	- संपादक स.ह. देशपांडे
10. लघुनिबंध ते मुक्तगद्य	- वि.शं.चौगुले
11. साहित्याची निर्मितप्रक्रिया	- आनंद यादव
12. बातचीत : महेश एलकुचवारांशी	- संजय आर्वीकर, आशीष राजाध्यक्ष
13. अरुणोदय	- डॉ. स्वाती शिंदे-पवार
14. प्रतिनिधिक लघुनिबंध संग्रह	संपा. - के. ज. पुरोहित (साहित्य अकादमी)

किंवा

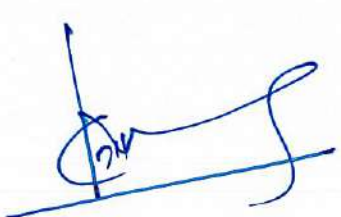
Name of Programme : M.A. Marathi / प्रथम वर्ष : / सत्र 2
Title of the Course : चित्रपट आणि साहित्य
Course Code : MRT 205 (C)
Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 चित्रपट आणि साहित्य संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2 चित्रपट आणि साहित्याचा परस्परसंबंध तपासणे.	2
CO 3 साहित्याची भाषा आणि चित्रपटाची भाषा यांचा अनुबंध तपासणे.	3
CO 4 मराठी साहित्यकृतींवरील चित्रपटांचा परामर्श घेणे.	4
CO 5 चित्रपट व पटकथालेखनाचे तंत्र व कौशल्ये आत्मसात करणे.	5
CO 6 साहित्यकृतींवरील चित्रपटनिर्मितीचा अभ्यास करणे.	6

घटक MRT 205 (C) : चित्रपट आणि साहित्य

तासिका

- साहित्य आणि चित्रपट : परस्परसंबंध ● साहित्यातील कथारूप आणि चित्रपटनिर्मिती
● साहित्यातील कथारूपाचे माध्यमांतर आणि चित्रपटाची कथावस्तू ● साहित्याची भाषा
आणि चित्रपटाची भाषा : अनुबंध ● मराठी साहित्यकृतींवरील चित्रपटनिर्मिती : स्थूल परामर्श 15
- चित्रपट पटकथालेखन : तंत्र व कौशल्ये ● मराठी चित्रपटाची पटकथा ● चित्रपटाच्या
पटकथालेखनाची मूलतत्त्वे ● पटकथा संरचना आणि पटकथेचे विविध घटक 15
● मराठी चित्रपटाच्या पटकथा : स्थूल परामर्श
- साहित्यकृतींवरील चित्रपटनिर्मितीचा अभ्यास (कादंबरी व चित्रपट संहितांचा तुलनात्मक
अभ्यास) ● 'बनगरवाडी' चित्रपट (मूळ कादंबरी - बनगरवाडी : व्यंकटेश माडगूळकर)
● 'नटरंग' चित्रपट (मूळ कादंबरी - नटरंग : आनंद यादव) 15
- चित्रपटांच्या पटकथालेखनाचा अभ्यास : ● 'सामना' व 'सिंहासन' (विजय तेंडुलकर) 15


Dr. S. R. Paranjape


Dr. S. R. Paranjape









ह्या चित्रपटांच्या पटकथांचा अभ्यास • तीन चित्रकथा - ग. दि. माडगूळकर (साकेत प्रकाशन)

संदर्भ ग्रंथ

1. मराठी चित्रपटाची पटकथा - अनिल सपकाळ
2. मराठी साहित्य आणि चित्र 'पटकथा' (शतकी वाटचाल 1993 ते 2013) - डॉ. प्रवीण महाजन
3. पटकथालेखन - कुलदीप सिन्हा
4. फिल्मों में पटकथा लेखन - रतन प्रकाश
5. चित्रकथा - अशोक राणे
6. बखर सिनेमाची - वसंत साठे
7. चित्रपटाचे सौंदर्यशास्त्र - सतीश बहादुर
8. साहित्यकृतीचे माध्यमांतर - डॉ. राजेंद्र थोरात व प्रा. आशुतोष कसबेकर
9. साहित्यप्रकारांतर - संपादक डॉ. शरयू तायवाडे व इतर
10. पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी
11. पटकथा कैसे लिखे - राजेंद्र पांडे
12. पटकथा लेखन : व्यावहारिक निर्देशिका - असगर वजाहत

०००

इ.स. २०१५

जापोषाजी

Dr. S. P. Paranjpe

Shirvan

Dr. S. P. Paranjpe

Dr. S. P. Paranjpe

NEP - 2020 आधारित पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
M.A. MARATHI (Two Years / One Year P.G.)
(with Credit Distribution Structure)

एम. ए. (मराठी) भाग १
सत्र - III

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 3
Title of the Course : प्राचीन आणि मध्ययुगीन मराठी काव्य
Course Code : MRT 301
Number of Credits : 04

Course outcome Description

Cognitive level
(Bloom's level)

CO 1	प्राचीन व मध्ययुगीन काव्याचे स्वरूप जाणून घेणे.	1
CO 2	प्राचीन व मध्ययुगीन काव्यप्रवाहांची ओळख करून घेणे.	2
CO 3	प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी काव्यातील अभिव्यक्तिरूपे आणि आशयतत्त्वांचा परिचय करून घेणे.	3
CO 4	प्राचीन व मध्ययुगीन मराठी काव्यातील इतिहास जाणून घेणे.	4
CO 5	प्राचीन व मध्ययुगीन कवींच्या काव्याचा तुलनात्मक अभ्यास करणे.	5
CO 6	विविध कवींच्या कवितांतील जाणिवा जाणून घेणे.	6

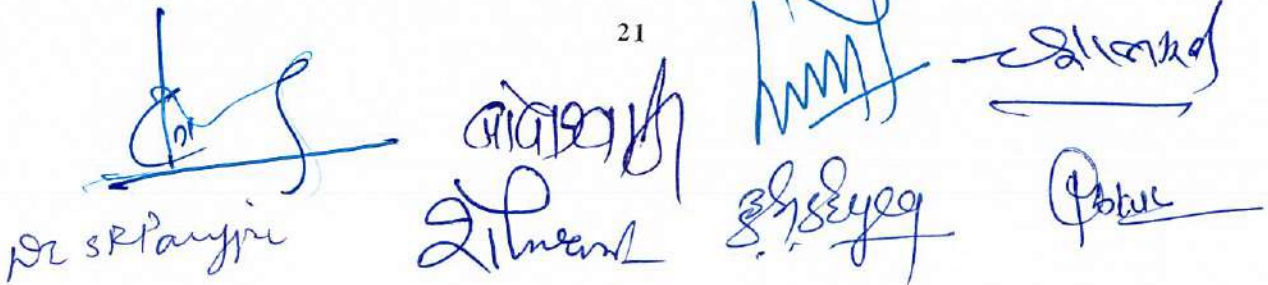
घटक MRT 301 : प्राचीन आणि मध्ययुगीन मराठी काव्य

तासिका

1. • प्राचीन मध्ययुगीन मराठी काव्यांचे स्वरूप • प्राचीन मध्ययुगीन मराठी काव्यातील विविध आशयतत्त्वे • प्राचीन मध्ययुगीन मराठी काव्याची अभिव्यक्तिरूपे • प्राचीन मध्ययुगीन मराठी काव्याचे विविध प्रवाह व इतिहास 15
2. • महाद्वाराच्या पायरीशी संपादक - हेमंत इनामदार • एकनाथ वाङ्मयदर्शन संपादक - भगवंत देशमुख (साहित्य अकादमी) 15
3. • तुकारामदर्शन संपादक - गं. बा. सरदार • श्रीमत् दासबोध : सार्थ व सटीक (समर्थ रामदास) संपादक - डॉ. श्रीकृष्ण देशमुख 15
4. • दमयंती स्वयंवर - रघुनाथपंडित संपादक - अ. का. प्रियोळकर • पैजण संपादक - म. ना. अदवंत 15

संदर्भ ग्रंथ

1. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास : खंड 1 ते 7
 2. महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय
 3. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप
 4. संत कवयित्री
 5. ओवी ते लावणी
- अ. ना. देशपांडे
- पं. रा. मोकाशी
- ह. श्री. शेणोलीकर
- इंदुमती शेवडे
- श्री. रं. कुलकर्णी



6.	संत, पंत आणि तंत	- श्री. म. माटे
7.	मराठी आख्यान कवित्त	- गं. ब. ग्रामोपाध्ये
8.	पुन्हा तुकाराम	- संपा. दि. पु. चित्रे
9.	प्राचीन मराठीच्या नवधारा	- रा. चिं. ढेरे
10.	संतकवी तुकाराम : एक चिंतन	- निर्मलकुमार फडकुले
11.	प्राचीन मराठी कविपंचक	- द. सी. पंगू
12.	एकनाथदर्शन	- संपा. हे. वि. इनामदार
13.	मध्ययुगीन मराठी साहित्य : एक पुनर्विचार	- श्री. रं. कुलकर्णी
14.	महाकाव्य : स्वरूप, आणि समीक्षा	- द. भि. कुळकर्णी
15.	मराठी साहित्याचे आदिबंध	- उषा देशमुख
16.	पाच भक्तिसंप्रदाय	- र. रा. गोसावी
17.	भागवतोत्तम संत एकनाथ	- शं. दा. पेंडसे
18.	मव्हारी लावणी	- डॉ. म. वा. धोंड
19.	समर्थ दर्शन	- संपादन प्राचार्य डॉ. कावळे, अनिरुद्ध कुलकर्णी
20.	समर्थ साहित्यातील आकृतिबंध	- डॉ. सौ. उषा जोशी

०००

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 3
Title of the Course : मराठी भाषा, बोली आणि व्याकरण
Course Code : MRT 302
Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 मराठी भाषेची उत्पत्ती व विकास समजून घेणे.	1
CO 2 मराठी भाषेचे स्वरूप जाणून घेणे.	2
CO 3 मराठी भाषेच्या कालिक अवस्था जाणून घेणे.	3
CO 4 प्रमाण भाषा व बोलींचा सहसंबंध तपासणे.	4
CO 5 मराठी भाषेतील विविध बोली भाषेचे आकलन करून घेणे.	5
CO 6 मराठी भाषेची विविध रूपे आणि व्यवहार जाणून घेणे.	6

घटक MRT 302 : मराठी भाषा, बोली आणि व्याकरण	तासिका
1. ● मराठी भाषेची पूर्वपीठिका ● मराठी भाषेची उत्पत्ती आणि विकास ● भाषाकुल संकल्पना व मराठी भाषा ● मराठी भाषेच्या कालिक अवस्था : प्राचीन मराठी, मध्यकालीन मराठी, अर्वाचीन मराठी	15
2. ● प्रमाण भाषा व बोली : सहसंबंध ● मराठीचे भाषिक प्रदेश व बोली भूगोल ● मराठी प्रमाण भाषा ● मराठीच्या प्रमुख बोलींचे भाषिक स्वरूप ● विदर्भातील मराठी बोलींचे भाषिक विशेष : वन्हाडी, नागपुरी व झाडीपट्टी बोली	15
3. ● भाषिक प्रभावाची संकल्पना व भाषिक आदानप्रदान ● मराठी भाषेवरील इंग्रजी भाषेचा प्रभाव ● मराठी भाषेवरील फार्सी व हिंदी भाषेचा प्रभाव ● मराठीवरील दाक्षिणात्य भाषांचा प्रभाव ● मराठीतील पारिभाषिक शब्द	15
4. ● मराठीची व्याकरणव्यवस्था ● शब्दांच्या जाती ● विभक्तीविचार ● प्रयोगविचार	15

Deshpande, Vaidya, ... (names are partially obscured by signatures)

● काळ व लिंगविचार ● मराठीची प्रमाण लेखनपद्धती

संदर्भ ग्रंथ

1. मराठी भाषेचा संसार	- अशोक केळकर
2. मराठी प्रमाणभाषेचे स्वरूप	- सुहासिनी लहू
3. मराठी भाषिक अभ्यास : ऐतिहासिक आणि वर्णनात्मक	- मु. श्री. कानडे
4. भाषा आणि संस्कृती	- ना. गो. कालेलकर
5. झाडीबोली	- हरिश्चंद्र बोरकर
6. नागपुरी बोली	- वसंत व-हाडपांडे
7. साहित्याची भाषा	- भालचंद्र नेमाडे
8. भाषा : इतिहास व भूगोल	- ना. गो. कालेलकर
9. मराठी भाषा : उद्गम आणि विकास	- कृ. पा. कुळकर्णी
10. यादवकालीन मराठी भाषा	- शं. गो. तुळपुळे
11. भाषा : स्वरूप व सौंदर्य	- वा. के. लेले
12. भाषाविवेक	- मंगेश विठ्ठल राजाध्यक्ष
13. मराठीचा शैलीविचार	- अशोक केळकर, रमेश धोंगडे
14. सुगत मराठी व्याकरण व लेखन	- मो. रा. वाळंबे (सुधारित आवृत्ती)
15. वैखरी : भाषाव्यवहार	- अशोक केळकर
16. मराठीचे व्याकरण	- डॉ. लीला गोविलकर
17. मराठी शुद्धलेखन प्रदीप	- मो. रा. वाळंबे
18. मराठी लेखनकोश	- अरुण फडके

०००

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 3
 Title of the Course : नवे साहित्य प्रवाह (ग्रामीण, दलित व आदिवासी)
 Course Code : MRT 303
 Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 भारतीय खेडे आणि ग्रामीण साहित्य आणि भारतीय समाजजीवन आणि दलित साहित्य आणि आदिवासी साहित्य यांच्या नात्याचा शोध घेणे.	1
CO 2 लोकजीवनातील शेती, शेतकरी चळवळ आणि ग्रामीण साहित्य आणि आदिवासी साहित्य यांचा तर दलित चळवळ व आदिवासी चळवळ आणि त्यांचे साहित्य यांचा अनुबंध पाहणे.	2
CO 3 मराठीतील ग्रामीण, दलित आणि आदिवासी साहित्याची परंपरा अभ्यासणे.	3
CO 4 ग्रामीण, दलित आणि आदिवासी साहित्याचे वर्गीकरण आणि विश्लेषण करणे. त्यांचे आशय-आविष्काराच्या आधारे मूल्यमापन करणे.	4
CO 5 मराठीतील निवडक ग्रामीण, दलित आणि आदिवासी साहित्याचे मूल्यमापन करता येणे, त्यांची बलस्थाने सांगता येणे.	5
CO 6 मराठीतील ग्रामीण, दलित आणि आदिवासी साहित्य विषयवैविध्यांच्या आधारे सूत्रबद्ध करता येणे.	6

23

Arskpangin

श्रीमान

इश्वर

पं. रा. वाळंबे

पं. रा. वाळंबे

घटक	MRT 303 : नवे साहित्य प्रवाह (ग्रामीण, दलित व आदिवासी)	तासिका
1.	● 'प्रवृत्ती' आणि प्रवाह : संकल्पना आणि स्वरूप ● ग्रामीण साहित्य : संकल्पना, स्वरूप व विविध भूमिका ● दलित-आंबेडकरवादी साहित्य : संकल्पना व स्वरूप ● आदिवासी साहित्य : संकल्पना व स्वरूप	15
2.	● बारोमास - सदानंद देशमुख ● पेरा (काव्यसंग्रह) - इंद्रजित भालेराव	15
3.	● बलुतं (आत्मकथन) - दया प्रवार ● उत्खनन (कात्मसंग्रह) - केशव मेश्राम	15
4.	● झेलझपाट (कादंबरी) - मधुकर वाकडे ● शतकातील आदिवासी (संपादित कालसंग्रह) - संपादक विनायक तुमराम	15

संदर्भ ग्रंथ

1.	ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या	- आनंद यादव
2.	ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि शोध	- नागनाथ कोतापळे
3.	ग्रामीण बाङ्मयाचा इतिहास	- चंद्रकुमार नलगे
4.	मराठी ग्रामीण कवितेचा इतिहास	- कैलास सार्वेकर
5.	मराठी ग्रामीण कादंबरी	- रवींद्र ठाकर
6.	इंद्रजित भालेराव यांची कविता	- प्रा. मारोती घुगे
7.	दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह	- भालचंद्र फडके
8.	दलित साहित्य : सिद्धांत आणि स्वरूप	- यशवंत मनोहर
9.	दलित साहित्य : आजचे क्रांतिविज्ञान	- भालचंद्र फडके
10.	दलित कविता	- म. सु. पाटील
11.	दलित आत्मकथने	- वासुदेव मुलाटे
12.	आंबेडकरवादी मराठी साहित्य	- यशवंत मनोहर
13.	दलित साहित्य : चर्चा आणि चिंतन	- गंगाधर पानतावणे
14.	आदिवासी साहित्य : स्वरूप आणि समीक्षा	- विनायक तुमराम
15.	आदिवासी मराठी साहित्य : एक अभ्यास	- ज्ञानेश्वर वाल्हेकर
16.	आदिवासी साहित्य : दिशा आणि दर्शन	- विनायक तुमराम
17.	आदिवासी साहित्य : शोध आणि समीक्षा	- बाबाराव मडावी
18.	आदिवासी साहित्य : चिंतन आणि चिकित्सा	- तुकाराम रोंगटे
19.	आदिवासी मराठी साहित्य : स्वरूप व समस्या	- प्रमोद मुनघाटे
20.	आदिवासी कादंबरी आणि इतर	- प्रमोद मुनघाटे

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 3
 Title of the Course : प्रसारमाध्यमे आणि साहित्यव्यवहार
 Course Code : MRT 304
 Number of Credits : 2

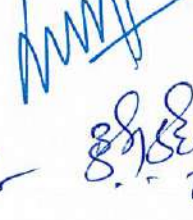
Course outcome Description

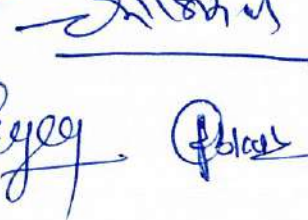
**Cognitive level
(Bloom's level)**

CO 1	प्रसारमाध्यमे व जनसंवादी संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2	प्रसारमाध्यमांच्या प्राचीन कालखंडाचा आढावा घेणे.	2
CO 3	प्रसारमाध्यमांचा समाजावर होणारा परिणाम व त्याची प्रभावशीलता अभ्यासणे.	3
CO 4	प्रसारमाध्यमे आणि साहित्यव्यवहार यांचा अनुबंध पाहणे.	4
CO 5	विविध प्रसारमाध्यमांचा आढावा घेणे.	5


Dr. S. K. Paranjpe


Dr. S. K. Paranjpe


Dr. S. K. Paranjpe


Dr. S. K. Paranjpe

CO 6 माहिती तंत्रज्ञानाची अत्याधुनिक साधने जाणून घेणे.

6

घटक MRT 304 : प्रसारमाध्यमे आणि साहित्यव्यवहार

तासिका

1. ● प्रसारमाध्यमे व जनसंवादमाध्यमे : संकल्पना व स्वरूप ● पारंपरिक प्रसारमाध्यमांचे स्वरूप : 08
प्राचीन कालखंड ● आधुनिक प्रसारमाध्यमे व संवादकौशल्य
2. ● प्रसारमाध्यमे आणि साहित्यव्यवहार : सहसंबंध : प्राचीन ते अर्वाचीन मराठी साहित्य 07
● मुद्रित प्रसारमाध्यमे आणि मराठी साहित्य : वृत्तपत्रे, नियतकालिके, मासिके
3. ● दृक-श्राव्य प्रसारमाध्यमे : नभोवाणी, दूरचित्रवाणी, चित्रपट, संगणक, मोबाईल (भ्रमणयंत्र), 08
इंटरनेट इ. ● दृक-श्राव्य माध्यमे आणि मराठी साहित्याचा अनुबंध
4. ● माहिती तंत्रज्ञानाची अत्याधुनिक साधने : भाषाकौशल्ये आणि साहित्यकौशल्ये ● मुद्रित व 07
दृक-श्राव्य माध्यमांसाठी वृत्ते, वृत्तांत आणि वृत्तलेख ● दृक-श्राव्य माध्यमांसाठी संहिता
लेखनाचे स्वरूप : चित्रपट, मालिका, संगीतिका, नाटिका मुलाखती इत्यादी

संदर्भ ग्रंथ

1. संवादशास्त्र - श्रीपाद भालचंद्र जोशी
2. व्यावहारिक उपयोजित मराठी व प्रसारमाध्यमांची कार्यशैली - संपादन डॉ. संदीप सांगळे
3. व्यावहारिक मराठी - ल. रा. नासिराबादकर
4. संपादन : स्वरूप व कार्य - यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक
5. बातमीची कार्यक्षेत्रे - यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक
6. दूरदर्शनसाठी लेखन - केशव केळकर
7. पत्रकारितेचा स्वभाव - ल. ना. गोखले
8. फीचर रायटिंग - प्रसन्नकुमार अकलूजकर
9. पत्रकारिता : स्वरूप आणि चिकित्सा - महावीर जोंधळे
10. जाहिरात शास्त्र - वंदना खेडीकर
11. व्यावहारिक मराठी भाषा - शारदिनी मोहिते
12. वैखरी - अशोक केळकर
13. व्यावहारिक व व्यावसायिक लेखनप्रणाली - मधुकर मोकाशी
14. मराठी साहित्य : काही लेखनबंध - सुधाकर शेलार
15. उपयोजित मराठी - संपादक डॉ. केतकी मोडक, संतोष शेणई, सुजाता शेणई

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 3

Title of the Course : वाङ्मयीन चळवळी

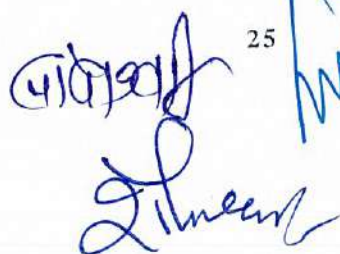
Course Code : MRT 305 (A)

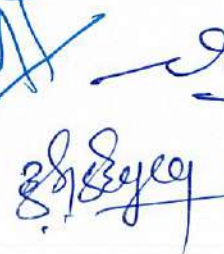
Number of Credits : 04

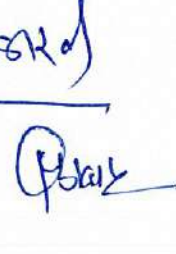
Course outcome Description

Cognitive level


Dr. S. R. Paranjape


Dr. S. R. Paranjape


Dr. S. R. Paranjape


Dr. S. R. Paranjape

(Bloom's level)

CO 1	वाङ्मयीन चळवळी संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2	वाङ्मयीन चळवळीची धार्मिक, सामाजिक, राजकीय व सांस्कृतिक पार्श्वभूमी तपासणे.	2
CO 3	वाङ्मयीन चळवळीची ऐतिहासिक वाटचाल समजून घेणे.	3
CO 4	वाङ्मयीन चळवळीचे समाजासाठी महत्त्वपूर्ण योगदान समजून घेणे.	4
CO 5	मराठी साहित्यातील वाङ्मयीन चळवळीमुळे मानवी जीवनाला कसे वळण प्राप्त झाले याविषयीचे आकलन करून घेणे.	5
CO 6	विविध वाङ्मयीन चळवळीच्या प्रकारांचा अभ्यास करणे.	6

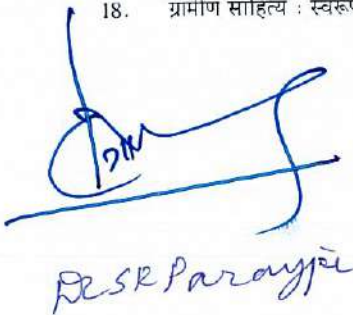
घटक MRT 305 (A) : वाङ्मयीन चळवळी

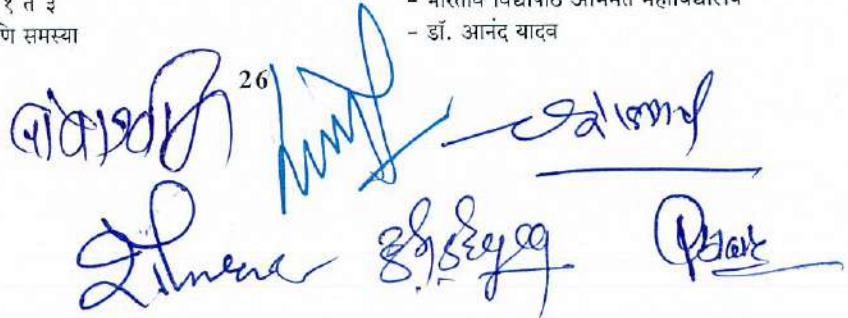
तासिका

1. ● मराठीतील वाङ्मयीन चळवळी : संकल्पना, स्वरूप उगम आणि विकास ● प्राचीन काळातील 15
संप्रदायनिष्ठ, धार्मिक - आध्यात्मिक चळवळी : संकल्पना व स्वरूप ● प्राचीन कालखंडातील
वाङ्मयीन चळवळीची धार्मिक व सांस्कृतिक पार्श्वभूमी ● मराठीतील वाङ्मयीन चळवळीचा
ऐतिहासिक आढावा : प्राचीन काळ
2. ● अर्वाचीन काळातील वाङ्मयीन चळवळी : संकल्पना, स्वरूप, उगम आणि विकास ● वृत्तपत्रे, 15
● वाङ्मयीन नियतकालिके आणि मराठी साहित्य : अनुबंध : १८३२ ते १८८५ ● वृत्तपत्रे,
वाङ्मयीन नियतकालिके आणि मराठी साहित्य : १८८५ ते १९४७ ● अर्वाचीन वाङ्मयीन
चळवळीची सामाजिक सांस्कृतिक व राजकीय पार्श्वभूमी
3. ● नवसाहित्याची चळवळ : स्वरूप, वैशिष्ट्ये आणि ऐतिहासिक वाटचाल ● घु-अनियतकालिकांची 15
चळवळ : स्वरूप, वैशिष्ट्ये आणि इतिहास ● दलित-आंबेडकरवादी साहित्य चळवळ : स्वरूप,
वैशिष्ट्ये आणि ऐतिहासिक वाटचाल ● ग्रामीण साहित्याची चळवळ : स्वरूप, वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल
4. ● कामगार साहित्य चळवळ : स्वरूप, वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल ● स्त्रीवादी साहित्य चळवळ : 15
स्वरूप, उगम आणि विकास ● आदिवासी साहित्य चळवळ : स्वरूप, वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल
● मराठीतील मुस्लिम व ख्रिस्ती साहित्य चळवळ : स्वरूप, वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल

संदर्भग्रंथ

1. साहित्य आणि समाज
 2. चळवळ आणि साहित्य
 3. वाङ्मयीन प्रवृत्ती : तत्त्वशोध
 4. वाङ्मयीन चळवळ आणि दृष्टिकोण
 5. भारतातील सामाजिक चळवळी
 6. टीकास्वर्यंवर
 7. जीवनमूल्य आणि साहित्यमूल्य
 8. साहित्य आणि समाज
 9. सामाजिक परिवर्तन आणि साहित्य
 10. आंबेडकरवादी मराठी साहित्य
 11. नववाङ्मयीन प्रवृत्ती व प्रमेये
 12. सामाजिक चळवळीचा इतिहास
 13. आदिवासी साहित्य दिशा आणि दर्शन
 14. आदिवासी मुस्लिम, ख्रिश्चन साहित्यमीमासा
 15. स्त्रीवादी समीक्षा : स्वरूप आणि उपयोजन
 16. मुस्लिम मराठी साहित्य
 17. स्त्री साहित्याचा मागोवा खंड १ ते ३
 18. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या
- संपा. नागनाथ कोतापल्ले
- संपा. पोपट सातपुते आणि इतर
- संपा. केशव मेश्राम आणि इतर
- संपादक सुमती कांडे
- घनश्याम शाह
- डॉ. भालचंद्र नेमाडे
- यशवंत मनोहर
- अविनाश सहस्त्रंबुद्धे
- संपा. र. बा. मंचरकर
- यशवंत मनोहर
- रा. ग. जाधव
- शंकरराव खरात
- विनायक तुमराम
- श्रीपाल सबनीस
- अश्विनी घोंगडे
- अक्रम पठाण
- भारतीय विद्यापीठ अभिमत महाविद्यालय
- डॉ. आनंद यादव


Resh Paraypi


Resh Paraypi

किंवा

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 3

Title of the Course : पर्यावरण आणि साहित्य

Course Code : MRT 305 (B)

Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 पर्यावरणशास्त्राची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2 मराठी साहित्य आणि पर्यावरण यांचा अनुबंध समजून घेणे.	2
CO 3 साहित्यातून भौगोलिक, प्राकृतिक व निसर्ग-पर्यावरणाचे घडणारे दर्शन समजून घेणे.	3
CO 4 पर्यावरणवादी व अधिवासशास्त्रीय समीक्षा अभ्यासणे.	4
CO 5 पर्यावरण व मानवी जीवनाच्या नात्याचा अनुबंध जोडणे.	5
CO 6 पर्यावरणाचा मानवी जीवनावर होणारा परिणाम अभ्यासणे	6

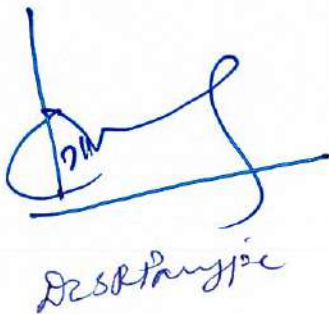
घटक MRT 305 (B) : पर्यावरण आणि साहित्य

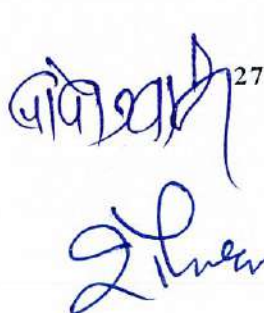

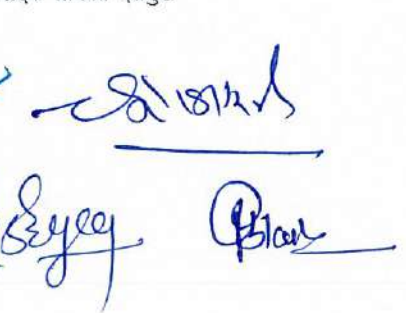
तासिका

1. ● पर्यावरणशास्त्र : संकल्पना आणि स्वरूप ● मराठी साहित्य आणि पर्यावरण : परस्परसंबंध ● साहित्यातून भौगोलिक, प्राकृतिक व निसर्ग-पर्यावरणाचे घडणारे दर्शन ● साहित्याची पर्यावरणवादी व अधिवासशास्त्रीय समीक्षा	15
2. ● ऋतुचक्र -दुर्गा भागवत ● रानातल्या कविता-ना. धों. महानोर	15
3. ● नागझिरा -व्यंकटेश माडगूळकर ● निसर्गवाचन-मारुती चितमपल्ली	15
4. ● एका रानवेड्यानी शोधयात्रा -कृष्णमेघ कुंटे ● निसर्गवाट -अतुल धामणकर	15

संदर्भ ग्रंथ

1. पर्यावरण अभ्यास	- शैलेश वाघ आणि इतर
2. व्यंकटेश माडगूळकर : लेखक आणि माणूस	- संपादक ज्ञानदा नाईक
3. माणदेशी माणूस आणि कलावंत	- संपादक म. द. हातकणंगलेकर
4. मालती चितमपल्ली : व्यष्टी आणि सृष्टी	- संपादक सुहास पुजारी
5. पर्यावरण आणि समाज	- शिल्पा कुळकर्णी
6. पर्यावरण : आकलन आणि आचरण	- पल्लवी चाफेकर
7. अद्भुत सुंदर निसर्ग	- संध्या बोडस-काणे
8. पर्यावरण व प्रदुषण	- शा. प्र. दीक्षित
9. पर्यावरणीय प्रबोधन आणि मराठी कविता	- रा. ग. जाधव
10. मराठी समीक्षेची सद्यःस्थिती	- वसंत आबाजी डहाके
11. भारतीय निसर्ग-पर्यावरण पत्रकारिता	- संतोष शिन्डे
12. जीवसृष्टी आणि पर्यावरण भाग 1	- संपा. विजया बाड
13. पर्यावरण विज्ञान	- विजयकुमार तिवारी
14. रानावनातला माणूस	- सुहास पुजारी
15. दुर्गा भागवत : व्यक्ती, विचार आणि कार्य	- अरुणा ढेरे
16. महानोरांची कविता : आस्वादन आणि मूल्यांकन	- डॉ. राजेंद्र नाईकवाडे
17. महानोरांची कविता	- संपादक श्रीकांत देशमुख


Dr. Anand Yadav

 27



18. संतसाहित्यातील पर्यावरण विचार

- डॉ. रामचंद्र देखणे

किंवा

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 3

Title of the Course : साहित्याचा सामाजिक आणि सांस्कृतिक अभ्यास

Course Code : MRT 305 (C)

Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 साहित्याच्या आधारे समाज आणि संस्कृतीचा अभ्यास करणे.	1
CO 2 साहित्यातील अनुभवविश्व आणि समाजवास्तव यांचा परस्परसंबंध तपासणे.	2
CO 3 साहित्याचा सामाजिक व सांस्कृतिक अनुबंध तपासणे.	3
CO 4 साहित्यातील संस्कृतीकरणाची वाटचाल पाहणे.	4
CO 5 ठरावीक कालखंडाच्या आधारे समाज आणि संस्कृतीचा अभ्यास करणे.	5
CO 6 साहित्यकृतींचा सामाजिक व सांस्कृतिक दृष्टीने अभ्यास करणे.	6

घटक MRT 305 (C) : साहित्याचा सामाजिक आणि सांस्कृतिक अभ्यास	तासिका
1. ● साहित्य आणि समाज : अनुबंध ● साहित्यातील अनुभवविश्व आणि समाजवास्तव : परस्परसंबंध ● साहित्याचे समाजशास्त्रीय अध्ययन : स्वरूप आणि विकास ● मराठी साहित्यातील समाजचित्रण : प्राचीन ते अर्वाचीन वाटचाल	15
2. ● साहित्य आणि संस्कृती : अनुबंध ● साहित्यातील अनुभवविश्व आणि संस्कृतिरूपे : परस्परसंबंध ● साहित्याच्या सांस्कृतिक अभ्यास : स्वरूप आणि विकास ● मराठी साहित्यातील संस्कृतिचित्रणाचे स्वरूप : प्राचीन ते अर्वाचीन वाटचाल	15
3. ● साहित्यकृतींचा सामाजिक दृष्टीने अभ्यास : ● फकिरा (कादंबरी) -अण्णाभाऊ साठे ● इंधन (कादंबरी) - हमीद दलवाई	15
4. ● साहित्यकृतींचा सांस्कृतिक दृष्टीने अभ्यास : ● श्यामची आई (कादंबरी) - साने गुरुजी ● हिंदू : जगण्याची समृद्ध अडगळ (कादंबरी) - भालचंद्र नेमाडे	15

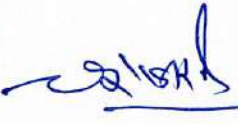
संदर्भ ग्रंथ

- | | |
|--|------------------------|
| 1. संस्कृती, समाज आणि साहित्य | - के. रं. शिरवाडकर |
| 2. मराठी साहित्य, समाज आणि संस्कृती | - आनंद यादव |
| 3. तौलनिक साहित्य | - निशिकांत मिरजकर |
| 4. साहित्य, समाज आणि संस्कृती | - दिगंबर पाध्ये |
| 5. साहित्य आणि समाज | - अविनाश सहस्त्रबुद्धे |
| 6. समाज आणि साहित्य | - सदा कऱ्हाडे |
| 7. साहित्य आणि सामाजिक संदर्भ | - रा. ग. जाधव |
| 8. सांस्कृतिक मूल्यवेध | - रा. ग. जाधव |
| 9. कला, साहित्य व संस्कृती | - रा. ग. जाधव |
| 10. साहित्य आणि सामाजिक संदर्भ | - अंजली सोमण |
| 11. साहित्याचे सामाजिक व सांस्कृतिक अनुबंध | - म. सु. पाटील |
| 12. भाषा, साहित्यकला आणि संस्कृती | - सदा कऱ्हाडे |
| 13. सामाजिक परिवर्तन आणि मराठी साहित्य | - संपा. र. बा. मंचरकर |


Dr. Ramchandra Deshpande


Dr. Anand Yadav


Dr. Nikhant Mirjekar


Dr. Digambar Padye


Dr. Anjali Somn

14. साहित्य, संस्कृती आणि समाजप्रबोधन
15. साहित्य आणि समाज
16. आधुनिक मराठी साहित्य आणि सामाजिकता
17. समाजप्रबोधन
18. वाङ्मयीन संस्कृती
19. टीकास्वयंवर
20. संस्कृती आणि साहित्य

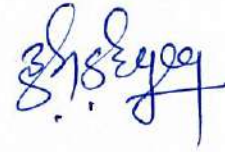
- संपा. योगेंद्र मेश्राम आणि इतर
- संपा. नागनाथ कोत्तापट्टे
- संपा. मृणालिनी शहा, विद्यागौरी टिळक
- प्र. बा. गजेंद्रगडकर
- डॉ. सुधीर रसाळ
- डॉ. भालचंद्र नेमाडे
- संपादक डॉ. राजेंद्र नाईकवार व इतर

०००



Dr. S. R. Patil





NEP - 2020 आधारित पदव्युत्तर अभ्यासक्रम
M.A. MARATHI (Two Years / One Year P.G.)
(with Credit Distribution Structure)

एम. ए. (मराठी) भाग 2
सत्र - IV

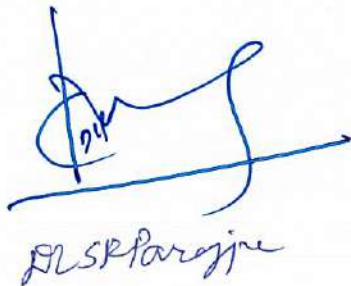
Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 4
Title of the Course : प्राचीन, मध्ययुगीन व आधुनिक गद्य
Course Code : MRT 401
Number of Credits : 04

Course outcome Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1 मध्ययुगीन आणि आधुनिक गद्याची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.	1
CO 2 मध्ययुगीन आणि आधुनिक गद्याची उगममीमांसा जाणून घेणे.	2
CO 3 मध्ययुगीन आणि आधुनिक गद्याचे विविधांगी आविष्कार अभ्यासणे.	3
CO 4 मध्ययुगीन आणि आधुनिक गद्याच्या प्रेरणा व परंपरा अभ्यासणे.	4
CO 5 मध्ययुगीन आणि आधुनिक गद्याचे मराठी साहित्यातील योगदान लक्षात घेणे.	5
CO 6 विविध ग्रंथांच्या माध्यमातून विचारवंतांच्या विचारांना जाणून घेणे.	6

घटक MRT 401 : प्राचीन, मध्ययुगीन व आधुनिक गद्य	तासिका
1. ● गद्य : संकल्पना व स्वरूप ● मध्ययुगीन गद्याची उगममीमांसा ● मध्ययुगीन मराठीचे गद्याचे आविष्कार : महानुभाव गद्य/बखरगद्य आणि ऐतिहासिक पत्र-गद्य ● आधुनिक मराठी गद्याची उगममीमांसा ● आधुनिक मराठी गद्याचे विविधांगी आविष्कार : ललितगद्य, वैचारिक गद्य, संकीर्ण गद्यलेखन	15
2. ● लीळाचरित्र - एकाक संपादक - डॉ. शं. गो. तुळपुळे ● कृष्णाजी अनंत सभासद विरचित शिवछत्रपतींचे चरित्र (सभासद बखर) संपादक - र. वि. हेरवाडकर	15
3. ● एकोणिसाव्या शतकातील मराठी गद्य (खंड 2) संपादक - भा. ल. भोळे (साहित्य अकादमी) ● विचारशिल्प (लक्ष्मणशास्त्री जोशी यांचे निवडक निबंध) संपादक रा.ग. जाधव	15
4. ● मनातली माणसं - नरेंद्र चपळगावकर ● ग्राफिटी वॉल - कविता महाजन	15

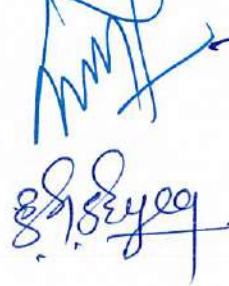
संदर्भ ग्रंथ

- | | |
|---|----------------------|
| 1. प्राचीन मराठी गद्य: प्रेरणा आणि परंपरा | - श्री. रं. कुळकर्णी |
| 2. महानुभाव पंथ आणि त्यांचे वाङ्मय | - शं. गो. तुळपुळे |
| 3. महानुभावीय मराठी वाङ्मय | - य. खु. देशपांडे |
| 4. महानुभाव : साहित्य-दर्शन | - उषा देशमुख |
| 5. महानुभाव साहित्य : शोधसंचार | - अविनाश आवलगावकर |
| 6. मराठी बखर वाङ्मय | - र. वि. हेरवाडकर |
| 7. प्राचीन मराठी चरित्रलेखन | - वसंत बोरगावकर |


Dr. S. K. Parajre

30

Dr. S. K. Parajre


Dr. S. K. Parajre


Dr. S. K. Parajre

8. बखर वाङ्मय : उद्गम आणि विकास - बापूजी संकपाळ
 9. मराठी बखर गद्य - संपा. गं. ब. ग्रामोपाध्ये
 10. मध्ययुगीन मराठी साहित्य : एक पुनर्विचार - श्री. रं. कुलकर्णी
 11. आधुनिक मराठी गद्याची उत्क्रांती - कृ. भि. कुलकर्णी
 12. प्रदक्षिणा खंड 1, 2 - संपा. अनिरुद्ध कुळकर्णी, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे
 13. आधुनिक मराठी गद्याचा पायभूत अभ्यास - संपा. वासुदेव मुलाटे
 14 अर्वाचीन मराठी गद्याची पूर्वपीठिका - गं. बा. सरदार

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 4

Title of the Course : भाषाविज्ञान

Course Code : MRT 402

Number of Credits : 04

Course outcome	Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1	भाषेचे स्वरूप व कार्य विविध व्याख्यांच्या आधारे सांगणे.	1
CO 2	अमूर्त भाषा तत्त्व आणि मूर्त-भाषाव्यवहार यांची रचना जाणून घेणे. भाषा आणि भाषण यांतील फरक तुलनेतून स्पष्ट करणे.	2
CO 3	भाषाविज्ञानाच्या विविध शाखांमधील फरक स्पष्ट करणे. व्यवहारभाषा, शास्त्रभाषा व साहित्याची भाषा यांची तुलना करणे.	3
CO 4	उच्चारण स्थानानुसार भाषाध्वनींचे वर्गीकरण व त्यांची व्यवस्था लावणे, भाषाध्वनींचे, वर्गीकरण सूत्रात बांधणे.	4
CO 5	भाषेची विविध रूपे समजून घेणे.	5
CO 6	भाषेची संरचना व तिचे घटक यांचे विश्लेषण करून ते सूत्रबद्ध करणे.	6

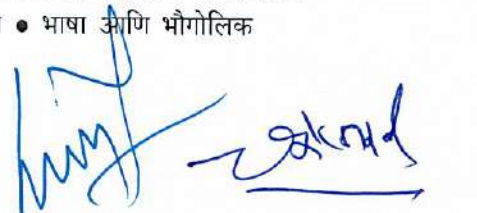
घटक MRT 402 : भाषाविज्ञान

तासिका

- भाषा : स्वरूप व कार्य ● भाषेची लक्षणे ● भाषाविज्ञान : संकल्पना व स्वरूप ● भाषाविज्ञानाच्या अभ्यासपद्धती ● भाषाविज्ञानाचा अन्य अभ्यासक्षेत्रांशी सहसंबंध 15
- वर्णनात्मक भाषाविज्ञानाचे स्वरूप ● फेर्दिना द सोस्यूर यांचा भाषिक व्यवस्था व भाषिक वर्तन सिद्धांत ● ब्यूमफिल्ड यांचा संरचनावादी सिद्धांत ● नोम चॉम्स्की यांचा रचनांतरणाचा सिद्धांत ● सपीर व बोर्फ यांचा भाषिक सापेक्षतावादाचा सिद्धांत ● झॉक देरिदा यांचा विरचनावादाचा सिद्धांत 15
- स्वनिमविन्यास : स्वन, स्वनिम, स्वनांतराचे स्वरूप; स्वनिम विश्लेषणाची तंत्रे; स्वनिमांचे प्रकार ● पदिमविन्यास : रूपिका, रूपिम, रूपिकांतराचे स्वरूप; रूपिम विश्लेषणाची तंत्रे; रूपिमांचे प्रकार ● वाक्यविन्यास : वाक्य- स्वरूप; रूपबंध व वाक्य -परस्परसंबंध; प्रथमोस्थित संघटक पद्धती ● अर्थविन्यास : अर्थ - स्वरूप; अर्थक्षेत्र आणि घटकविश्लेषण; अर्थप्रकार 15
- सामाजिक भाषाविज्ञान : स्वरूप व वैशिष्ट्ये ● भाषा, बोली व समाज : परस्परसंबंध ● भाषा आणि विविध व्यवसायक्षेत्रे ● भाषा आणि आर्थिक वर्गव्यवस्था ● भाषा आणि लिंगभेदव्यवस्था : स्त्रियांची भाषा आणि पुरुषांची भाषा ● भाषा आणि भौगोलिक 15


Arshdeep Singh


Shilpa


Shreyas

क्षेत्रव्यवस्था : विविध बोलीरूपे

संदर्भ ग्रंथ

- | | |
|---|------------------------------|
| 1. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन | - मिलिंद मालशे |
| 2. भाषा आणि भाषाशास्त्रे | - श्री. न. गर्जेद्रगडकर |
| 3. भाषाविज्ञान परिचय | - स. गं. मालशे आणि इतर |
| 4. आधुनिक भाषाविज्ञान (संरचनावादी, सामान्य आणि सामाजिक) | - कल्याण काळे, अंजली सोमण |
| 5. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक | - संपा. मालशे, इनामदार, सोमण |
| 6. अभिनव भाषाविज्ञान | - गं. ना. जोगळेकर |
| 7. सुलभ भाषाविज्ञान | - द. दि. पुंडे |
| 8. मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान | - महेंद्र कदम |
| 9. संज्ञापनविद्या आणि ललित कला | - रमेश वरखेडे |
| 10. आधुनिक भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा | - दादा गोरे |
| 11. समाजभाषाविज्ञान | - रमेश वरखेडे |
| 12. समाजभाषाविज्ञान : प्रमुख संकल्पना | - रमेश वरखेडे |
| 13. भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा | - अनिल गवळी |
| 14. सामाजिक भाषाविज्ञान | - रमेश धोंगडे |
| 15. सामाजिक भाषाविज्ञान : कक्षा आणि अभ्यास | - संपा. जयश्री पाटणकर |

०००

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 4

Title of the Course : लोकसाहित्य

Course Code : MRT 403

Number of Credits : 04

Course outcome Description

Cognitive level
(Bloom's level)

- | | | |
|------|--|---|
| CO 1 | लोकसाहित्याची व्याख्या, संकल्पना, स्वरूप समजून घेणे. | 1 |
| CO 2 | लोकसाहित्याचे इतिहास, पुरातत्त्व, मानववंशशास्त्र, भाषाशास्त्र, धर्मशास्त्र, दैवतकथाशास्त्र यांच्याशी असलेले अनुबंध तपासणे. | 2 |
| CO 3 | मराठीतील लोकसाहित्याचा आशय, भाषा, रचना, प्रदेश, प्रकार व कलात्मक सौंदर्य यांचे विश्लेषण करणे. | 3 |
| CO 4 | लोकगीते, लोककथा यांचा अभ्यास करणे. | 4 |
| CO 5 | लोकनाट्या आणि विविध लोकाविष्कार यांचा अभ्यास करणे. | 5 |
| CO 6 | इतर साहित्यापासून लोकसाहित्याचे वेगळेपण सांगता येणे, लोकसाहित्य गुणवैशिष्ट्यांच्या आधारे सूत्रबद्ध करता येणे. | 6 |

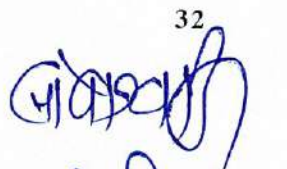
घटक MRT 403 : लोकसाहित्य


तासिका

- | | | |
|----|--|----|
| 1. | ● लोकसाहित्य : संकल्पना व स्वरूप ● लोकसाहित्य : प्रेरणा व प्रयोजन ● लोकसाहित्याचा सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक जीवनाशी असलेला संबंध ● लोकसाहित्याचा अन्य ज्ञानशाखांशी असलेला अनुबंध | 15 |
| 2. | ● लोकसाहित्याच्या अभ्यासाचे संप्रदाय आणि क्षेत्रे ● लोकसाहित्याच्या अभ्यासाच्या पद्धती ● लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची भारतीय परंपरा ● लोकसाहित्याच्या अभ्यासाची महाराष्ट्रीय परंपरा | 15 |

32


Dr. S. P. Panjpe


Dr. S. P. Panjpe


Dr. S. P. Panjpe

3. • लोकसाहित्य, लोकजीवन व लोकपरंपरा : अनुबंध • लोकसाहित्य व ग्रंथिक साहित्य : 15
 अनुबंध • मराठी लोकगीतांचे विविध प्रकार : आशय व अभिव्यक्ती • मराठी लोकनाट्याचे
 विविध प्रकार : आशय आणि अभिव्यक्ती
4. • मराठी लोककथा : स्वरूप व आशय • मराठी लोककथांचे प्रकार व अभिव्यक्ती • मराठी 15
 लोककलांचे प्रकार : आशय आणि अभिव्यक्ती • मराठी लोकसंस्कृतीच्या उपासकांची
 परंपरा आणि आविष्कारप्रकार

संदर्भ ग्रंथ

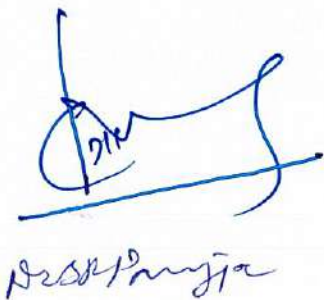
1. लोकसाहित्याची रूपरेषा - दुर्गा भागवत
2. लोकसाहित्याचे स्वरूप - प्रभाकर मांडे
3. लोकप्रतिभा आणि लोकतत्त्वे - मधुकर वाकोडे
4. लोकसाहित्य : शोध आणि समीक्षा - रा. चिं. ढेरे
5. मराठी लोकसंस्कृतीचे उपासक - रा. चिं. ढेरे
6. लोकसाहित्य : भाषा आणि संस्कृती - संपा. सरोजिनी बाबर
7. लोकसाहित्य : एक स्वतंत्र अभ्यासक्षेत्र - गंगाधर मोरजे
8. लोकसाहित्य संशोधन पद्धती - अनिल सहस्त्रबुद्धे
9. लोकरंगभूमी - प्रभाकर मांडे
10. लोकरंजनाची पारंपरिक माध्यमे - शरद व्यवहारे
11. मराठी लोककथा - धुकर वाकोडे
12. मौखिकता आणि लोकसाहित्य - संपा. मधुकर वाकोडे, सुषमा करोगल
13. लोकनागर रंगभूमी - तारा भवाळकर
14. लोकसाहित्यातील स्त्रीप्रतिमा - तारा भवाळकर
15. मराठीचे लोकनाट्य : तमाशा, कला आणि साहित्य - नामदेव व्हटकर
16. खडी गंमत : विदर्भाचे लोकलेणे - हरिश्चंद्र बोरकर
17. लोकसाहित्य : स्वरूप आणि विवेचन - पुरुषोत्तम कालभूत

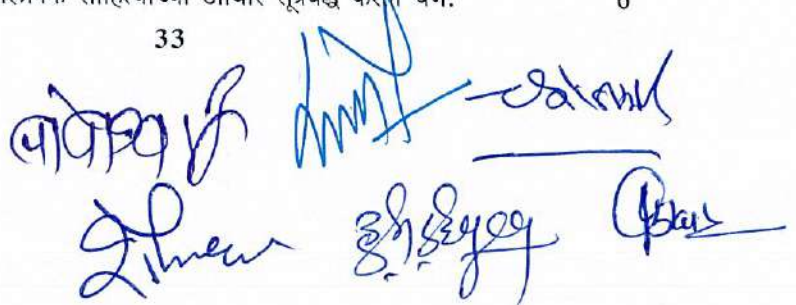
○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 4
 Title of the Course : तौलनिक साहित्याभ्यास
 Course Code : MRT 404(A)
 Number of Credits : 04

Course outcome	Description	Cognitive level (Bloom's level)
CO 1	तुलना, साहित्य, विश्वसाहित्य आणि राष्ट्रीय/भारतीय साहित्य या संकल्पना समजून घेणे. तुलनेच्या विविध व्याख्या लक्षात घेणे.	1
CO 2	दोन परस्परभिन्न वस्तुंची, विचारांची, साहित्याची तुलना करता येणे. तुलनेची विविध उदाहरणे सांगता येणे.	2
CO 3	विश्वसाहित्य आणि राष्ट्रीय/भारतीय साहित्य या संकल्पनांचे सोदाहरण स्पष्टीकरण करता येणे.	3
CO 4	आदानप्रदान, प्रभाव, प्रभव या संकल्पनांच्या आधारे साहित्याचे वर्गीकरण आणि विश्लेषण करता येणे.	4
CO 5	नेमलेल्या साहित्यकृतींचे तौलनिक साहित्याच्या तत्वांच्या आधारे मूल्यमापन करता येणे.	5
CO 6	जगातील कोणतेही साहित्य तौलनिक साहित्याच्या आधारे सूत्रबद्ध करता येणे.	6

33


 Dr. S. S. Panjia


 Dr. S. S. Panjia

घटक MRT 404 (A) : तौलनिक साहित्याभ्यास

तासिका

1. • तौलनिक साहित्याभ्यास : संकल्पना आणि स्वरूप • तौलनिक साहित्याभ्यासाची तत्त्वे
• तौलनिक साहित्याभ्यासाची आवश्यकता • तौलनिक साहित्याचे विविध संप्रदाय 15
2. • तौलनिक साहित्याभ्यासातील प्रभावाची संकल्पना • वाङ्मयीन प्रभावाची कारणमीमांसा
• प्रभाव उद्दीप्त करणारे घटक • प्रभाव आणि अनुकरण : साम्यभेद व घटक 15
3. • मराठी साहित्यावरील पाश्चात्य साहित्याचा प्रभाव • मराठी साहित्यावरील (अन्यभाषिक)
भारतीय साहित्याचा प्रभाव • तौलनिक साहित्याचे अंतरंग : आशयसूत्रविचार • तौलनिक
साहित्याभ्यासाची अंगे : भाषांतर आणि माध्यमांतर 15
4. • विश्व साहित्य - संकल्पना व स्वरूप • राष्ट्रीय साहित्य - संकल्पना व स्वरूप • भारतीय
साहित्य - संकल्पना व स्वरूप • तौलनिक साहित्य आणि संस्कृति अभ्यास 15

संदर्भ ग्रंथ

1. तौलनिक साहित्याभ्यास : तत्त्वे आणि दिशा - संपा. चंद्रशेखर जहागीरदार
2. तौलनिक साहित्याभ्यास - वसंत बापट
3. तौलनिक साहित्य : नवे सिद्धांत आणि उपयोजन - आनंद पाटील
4. प्राचीन-अर्वाचीन साहित्यानुबंध - संपा. रा. गो. नाईकवाडे आणि इतर
5. भारतीय साहित्याची संकल्पना - संपा. द. दि. पुंडे
6. तौलनिक साहित्य - डॉ. निशिकांत मिरजकर
7. तौलनिक साहित्याभ्यास आणि मराठी साहित्य - डॉ. निशिकांत मिरजकर
8. वाङ्मयीन संस्कृती - डॉ. सुधीर रसाळ

किंवा

○○○

Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 4
Title of the Course : स्त्रीवादी मराठी साहित्य
Course Code : MRT 404 (B)
Number of Credits : 04

Course outcome Description

Cognitive level
(Bloom's level)

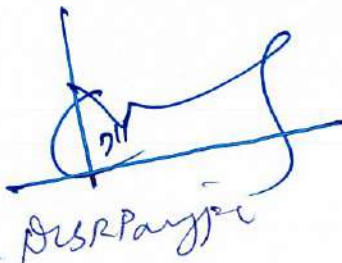
- | | | |
|------|--|---|
| CO 1 | स्त्रीवादी मराठी साहित्य संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे. | 1 |
| CO 2 | स्त्रीवादी साहित्याच्या निर्मितीची पार्श्वभूमी व कारणमीमांसा जाणून घेणे. | 2 |
| CO 3 | स्त्रीवादी साहित्याचे मराठी साहित्यातील महत्त्वपूर्ण योगदान समजून घेणे. | 3 |
| CO 4 | मराठी स्त्रीकेंद्री व स्त्रीवादी साहित्याची वाङ्मयप्रकारनिष्ठ वाटचाल समजून घेणे. | 4 |
| CO 5 | मराठीतील स्त्रियांचे लेखन व स्त्रीवादी लेखन यातील साम्यभेद तपासणे | 5 |
| CO 6 | स्त्रीवादी साहित्याच्या लेखकांच्या लेखनाचा आढावा घेणे. | 6 |

घटक MRT 404 (B) : स्त्रीवादी मराठी साहित्य

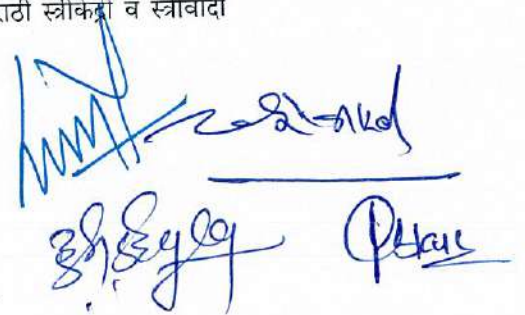
तासिका

1. • स्त्रीवादी साहित्य : संकल्पना, स्वरूप, उगम आणि विकास. • स्त्रीवादी साहित्याच्या
निर्मितीची पार्श्वभूमी आणि कारणमीमांसा • मराठीतील स्त्रियांचे लेखन व स्त्रीवादी लेखन :
साम्यभेद, पाश्चात्य आणि भारतीय स्त्रीवाद : साम्यभेद • मराठी स्त्रीकेंद्री व स्त्रीवादी
साहित्याची वाङ्मयप्रकारनिष्ठ वाटचाल 15

34


Dr. R. P. Singh


Dr. R. P. Singh


Dr. R. P. Singh

- | | |
|--|----|
| 2. ● उत्खनन - गौरी देशपांडे ● भूमी - आशा बगे | 15 |
| 3. ● विदेही - विजय राजाध्यक्ष ● हंस अकेला - मेघना पेठे | 15 |
| 4. ● दिगंत- अनुराधा पाटील ● दीर्घकविता - रजनी परुळेकर | 15 |

संदर्भ ग्रंथ

- | | |
|--|---|
| 1. स्त्री-साहित्याचा मागोवा : खंड 1, 2, 3 (एकत्रित) | संपादक - डॉ. अरुणा ढेरे, डॉ. लीला दीक्षित, डॉ. मंदा खांडगे, विनया खडपेकर (साहित्यप्रेमी भगिनी मंडळ) |
| 2. स्त्रीवादी समीक्षा : स्वरूप व उपयोजन | - अधिनी धोंगडे |
| 3. आधुनिक मराठी कवयित्रींची कविता | - रा. ग. जाधव |
| 4. कथा गौरीची | - संपा. विद्या बाळ व इतर |
| 5. मराठी लेखिका : चिंता आणि चिंतन | - भालचंद्र फडके |
| 6. स्त्रीवाद | - संपा. सुमती लांडे |
| 7. द सेकंड सेक्स (सिमोन द बोव्हुआर) | - अनु. करुणा गोखले |
| 8. स्त्रियांची नवकथा : वाटा आणि बळणे | - मंगला वरखेडे |
| 9. स्त्रीप्रश्नांची वाटचाल : परिवर्तनाच्या दिशेने | - विद्युत भागवत |
| 10. स्त्रीविकासाच्या पाऊलखुणा | - संपा. स्वाती कर्वे |
| 11. भारतीय संदर्भातून स्त्रीवाद, स्त्रीवादी समीक्षा आणि उपयोजन | - शोभा नाईक |
| 12. स्त्रीलिखित कादंबऱ्या : प्रेरणा आणि प्रवृत्ती | - विद्या देवधर |
| 13. स्त्रीविकासाचे नवे क्षितिज | - संपा. स्वाती कर्वे |
| 14. स्त्रीप्रश्नांची चर्चा : एकोणिसावे शतक | - प्रतिभा रानडे |
| 15. स्त्रीलिखित साहित्य : संदर्भ आणि चिकित्सा | - संपा. आशुतोष पाटील |
| 16. स्त्रियांची कादंबरी | - संपा. रेखा इनामदार साने |
| 17. स्त्रियांचे कथालेखन | - संपा. अरुणा ढेरे |
| 18. मराठीतील स्त्रियांची कविता | - प्रभा गणोरकर |
| 19. मराठी कादंबरी : स्त्रियांचे योगदान | - प्रमिला भिरुड |
| 20. मुक्तगौरी | - डॉ. संध्या अमृते |

किंवा

०००

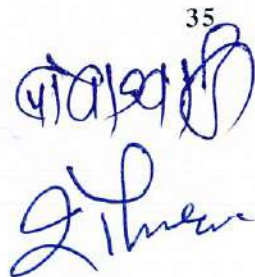
Name of Programme : M.A. Marathi / द्वितीय वर्ष : / सत्र 4
Title of the Course : भाषांतर मीमांसा
Course Code : MRT 404(C)
Number of Credits : 04

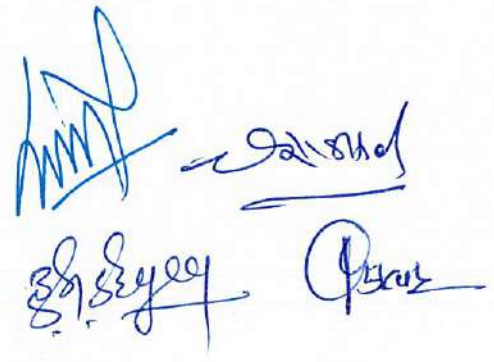
Course outcome Description

**Cognitive level
(Bloom's level)**

- | | | |
|------|--|---|
| CO 1 | अनुवादित साहित्याची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे. | 1 |
| CO 2 | आशयगत विशेषता व घटक तपासणे. | 2 |
| CO 3 | अभिव्यक्तीची वैशिष्ट्ये व अनुवादाच्या आव्हानांचा अभ्यास करणे | 3 |
| CO 4 | मराठीतील अनुवादित विश्वसाहित्याच्या इतिहासाचा परामर्श घेणे. | 4 |
| CO 5 | मराठीतील अनुवादित साहित्याचे योगदान लक्षात घेणे. | 5 |
| CO 6 | विविध अनुवादित ग्रंथांच्या माध्यमातून विचारवंतांच्या विचारांना जाणून घेणे. | 6 |


Dr. S. P. Parjivan

35

Dr. S. P. Parjivan


Dr. S. P. Parjivan

घटक MRT 404 (C) : भाषांतर मीमांसा

तासिका

1. • भाषांतर आणि अनुवाद : संकल्पना, व्याख्या आणि स्वरूप • भाषांतर : विविध समस्यांचा आणि मतांचा अभ्यास • विदेशी साहित्याचे मराठी अनुवाद : आढावा • विश्वसाहित्याचे मराठीतील अनुवाद : ऐतिहासिक वाटचाल 15
2. • आरण्यक (बंगाली/कादंबरी)-विभूतिभूषण बंधोपाध्याय (अनुवाद : शंकर बाळाजी शास्त्री) • मंद्र (कन्नड/कादंबरी)- एस.एल. भैष्पा (अनुवाद : उमा वि. कुलकर्णी) 15
3. • द मदर (कादंबरी-मॅक्झीम गॉर्की -अनुवाद प्रभाकर उध्वरिषे) • द ओल्ड मॅन अॅण्ड द सी (कादंबरी) अर्नेस्ट हेमिंग्वे (अनुवाद - पु. ल. देशपांडे) 15
4. • आघेअधुरे (हिंदी/नाटक)- मोहन राकेश - अनुवाद - विजय तेंडुलकर • सगे सारे (उर्दू/कविता) - गुलजार (अनुवाद - किशोर मेढे) 15

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषांतरमीमांसा - कल्याण काळे, अंजली सोमण
2. भाषांतर - संपा. रमेश वरखेडे
3. भाषांतर चिकित्सा - मधुकर मोकाशी
4. भाषांतर - सदा कऱ्हाडे
5. अनुवादमीमांसा - केशव तुपे
6. तौलनिक साहित्याभ्यास : तत्त्वे आणि दिशा - संपा. चंद्रशेखर जहागीरदार
7. तौलनिक साहित्याभ्यास - वसंत बापट
8. तौलनिक साहित्याभ्यास नवे सिद्धांत आणि उपयोग - आनंद पाटील
9. वाङ्मयीन संस्कृती - डॉ. सुधीर रसाळ
10. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग - नगेंद्र
11. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
12. तौलनिक साहित्याभ्यास आणि मराठी साहित्य - डॉ. निशिकांत मिरजकर
13. तौलनिक साहित्य - डॉ. निशिकांत मिरजकर

०००

The image shows several handwritten signatures and stamps in blue ink. At the top right, there is a signature that appears to be 'जाज्जाल' with a horizontal line underneath. Below it, there is a circular stamp containing the word 'Pune'. In the center, there is a signature that looks like 'वसंत बापट'. At the bottom left, there is a signature that looks like 'Arshant' and another that looks like 'Liliana'.

प्रश्नपत्रिकेचा आराखडा

गणविभाजन : सत्र I, II, III व IV साठी

प्रत्येक लेखी सत्रांत परीक्षा - 80 गुण	4 Credit
प्रत्येक सत्रातील अंतर्गत मूल्यमापन - 20 गुण	
प्रत्येक सत्रातील प्रश्नपत्रिकेचे एकूण गुण 100 (4 Credit)	
एकूण गुण 50 (2 Credit)	
प्रत्येक लेखी सत्रांत परीक्षा - 40 गुण	(2 Credit)
अंतर्गत मूल्यमापन - 10 गुण	

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

1. अभ्यासक्रमातील निर्धारित चारही घटकांवर प्रश्नपत्रिकेमध्ये प्रश्न राहतील व काही प्रश्नपत्रिका चार श्रेयांकां तर कही दोन क्षेत्रांकांच्या Credit राहतील.
2. 4 Credit च्या प्रत्येक प्रश्नपत्रिकेमध्ये प्रत्येकी 16 गुणांचे प्रश्न राहतील व ते सर्व अनिवार्य राहतील.
3. 2 Credit च्या प्रत्येक प्रश्नपत्रिकेमध्ये प्रत्येकी 8 गुणांचे प्रश्न राहतील व ते सर्व अनिवार्य राहतील.
4. चार घटकांवर चार प्रश्न अंतर्गत पर्यायांसह राहतील.
5. पाचवा प्रश्न अनिवार्य असून त्यात प्रत्येक घटकावर 4 Credit साठी चार गुणांचे चार प्रश्न तर 2 Credit साठी चार गुणांचे दोन प्रश्न राहतील.
6. प्रत्येक प्रश्नपत्रिका 3 तासांची राहिल.

०००

अंतर्गत मूल्यमापन

एम.ए. - मराठी

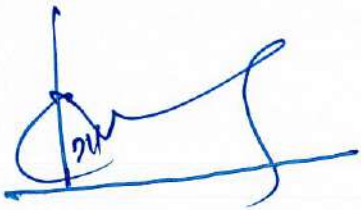
20 गुण : कृती विभाजन (4 Credit)

1 गृहपाठ	- 5 गुण
2 मुलाखत / सर्वेक्षण	- 5 गुण
3 गटचर्चा / परिसंवाद	- 5 गुण
4 मौखिकी	- 5 गुण
एकूण	20 गुण

१० गुण : कृतिविभाजन (2 Credits)

1 गृहपाठ	- 5 गुण
2 मौखिकी	- 5 गुण
एकूण	10 गुण

37


Dr. P. H. J. J.


Dr. P. H. J. J.


Dr. P. H. J. J.


Dr. P. H. J. J.

प्रश्नपत्रिका आराखडा

4 Credit (एकूण गुण 80)

प्रश्न 1	: 16 गुणांचा प्रश्न पर्यायासह	घटक 1 वर
प्रश्न 2	: 16 गुणांचा प्रश्न पर्यायासह	घटक 2 वर
प्रश्न 3	: 16 गुणांचा प्रश्न पर्यायासह	घटक 3 वर
प्रश्न 4	: 16 गुणांचा प्रश्न पर्यायासह	घटक 4 वर
प्रश्न 5	: 4 गुणांची चार टिपणे अनिवार्य- (प्रत्येक घटकांवर एक टिपण)	

2 Credit (एकूण गुण 50)

प्रश्न 1	: 8 गुणांचा एक प्रश्न पर्यायासह	घटक 1 वर
प्रश्न 2	: 8 गुणांचा एक प्रश्न पर्यायासह	घटक 2 वर
प्रश्न 3	: 8 गुणांचा एक प्रश्न पर्यायासह	घटक 3 वर
प्रश्न 4	: 8 गुणांचा एक प्रश्न पर्यायासह	घटक 4 वर
प्रश्न 5	: 2 गुणांची 2 लघु टिपणे अनिवार्य (प्रत्येक घटकांवर एक लघु टिपण)	

The image shows several handwritten signatures and names in blue ink. At the top, there are three signatures: the first is a cursive signature, the second is a stylized signature, and the third is a signature with a horizontal line underneath. Below these, there are four more signatures: the first is a large, bold signature with a horizontal line underneath, the second is a signature with a horizontal line underneath, the third is a signature with a horizontal line underneath, and the fourth is a signature with a horizontal line underneath. The names 'Rashmi' and 'Pole' are also visible in the bottom right area.

एम.ए. सत्र 2

प्रशिक्षण कार्य किंवा क्षेत्र प्रकल्प (4 Credit)

(On Job Training OR Internship / Apprenticeship / Field Project)

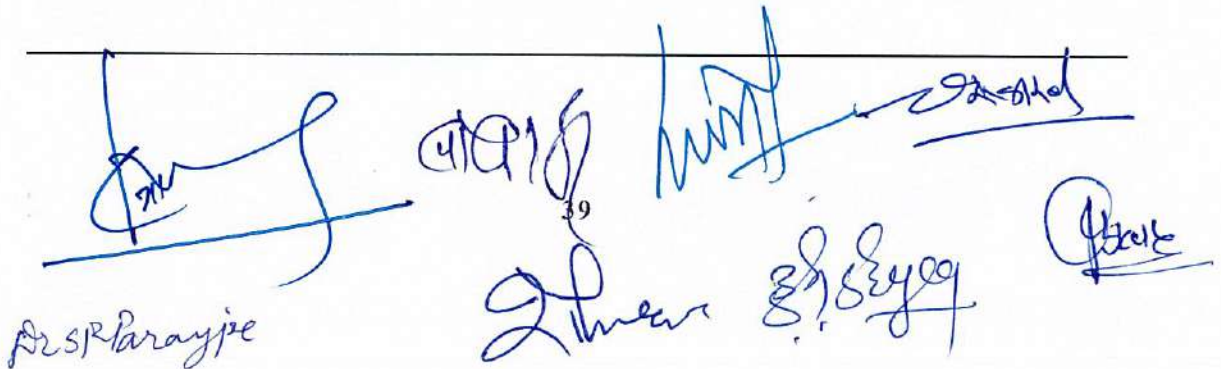
- प्रशिक्षण कार्याचे स्वरूप** : विद्यार्थ्यांना 4 Credit चे प्रशिक्षण कार्य पूर्ण करण्यासाठी एखाद्या मान्यताप्राप्त संस्थेत किमान 4 सप्ताह (4 Week) व कमाल 6 सप्ताह (6 Week) प्रत्यक्ष कार्यक्षेत्री जाऊन काम केल्याचे उपस्थिती व कार्य प्रमाणपत्र आवश्यक राहिल.
- प्रशिक्षण कार्यक्षेत्र** : परिसरातील वा शहरातील/गावातील वा महाविद्यालयाशी संलग्न जिल्ह्यातील मान्यताप्राप्त वा शासकीय ग्रंथालये, वाचनालये, वृत्तपत्रांच्या कचेऱ्या, जिल्हास्तरावरील वृत्तपत्रांची केंद्रे, वाहिन्यांची कार्यालये, दूरदर्शन, आकाशवाणी केंद्रे, महाविद्यालयांची ग्रंथालये (स्वतःचे महाविद्यालय सोडून) यापैकी कुठल्याही कार्यकेंद्रावर जाऊन प्रशिक्षणकार्य पूर्ण करावे.
- सत्र संपण्यापूर्वीच हे प्रशिक्षण कार्य पूर्ण करणे अनिवार्य राहिल.
- क्षेत्रप्रकल्प (Field Project)** : आपल्या 'मराठी साहित्य' या विषयांतर्गत कुठलाही एक क्षेत्रप्रकल्प तयार करून तो लिखित व मुद्रित स्वरूपात (किमान 50 व कमाल 100 पृष्ठे) विभागात सादर करणे अनिवार्य राहिल. या प्रकल्पाच्या मूल्यांकनानंतर विद्यार्थ्यांस 4 Credit प्रदान केले जातील.

एम.ए. सत्र 3 व 4

शोधप्रकल्प - सत्र 3 (4 Credit)

शोधप्रकल्प - सत्र 4 (6 Credit)

- शोधप्रकल्प अभ्यासक्षेत्र** : प्रत्येक विद्यार्थ्यांस एम.ए. च्या द्वितीय वर्षात एक संशोधन प्रकल्प करणे अनिवार्य आहे. हा प्रकल्प 'मराठी साहित्य' या विषय परिघातील कुठल्याही विषयावर सादर करता येईल. हे प्रोजेक्टवर्क किमान 50 ते कमाल 100 मुद्रित पृष्ठांचे राहिल.
- शोधप्रकल्प सत्र 3 (4 Credit)** : या संशोधनकार्याचा पहिला टप्पा सत्र 3 मध्ये पूर्ण करून त्या विषयीचा प्रगती अहवाल आपल्या विभागाकडे सादर करावा लागेल. या मध्ये संदर्भ साहित्याचे अवलोकन आणि वाचन, शोध प्रकल्पाचा संपूर्ण आराखडा, प्रकरणांची सविस्तर रचना, आधार ग्रंथांची सुची, संदर्भ ग्रंथांची सूची, मार्गदर्शकाचा सकारात्मक कार्याविषयक अभिप्राय, विभाग प्रमुखांचा सादर करावा लागेल. तिसऱ्या सत्राच्या प्रगती अहवालावर आधारित प्रमाणपत्र विभागातून प्राप्त होईल. त्यानुसार विद्यार्थ्यांस 4 Credits प्रदान करण्याची शिफारस करण्यात येईल.


Dr. S. R. Paraype
39
Dr. S. R. Paraype
Dr. S. R. Paraype
Dr. S. R. Paraype

शोधप्रकल्प - सत्र 4 (6 Credit)

विद्यार्थ्यांनी आपली लिखित व मुद्रित 50 ते 100 पृष्ठांचा शोध प्रकल्प विभागाला सत्र संपण्यापूर्वी सादर करावयाचा आहे.

या शोध प्रकल्पाचा मूल्यांकनानंतर विद्यार्थ्यांस 6 Credits प्रदान केले जातील.


Arshant Jee


V. S. Jee


L. S. Jee


S. S. Jee


P. S. Jee


R. S. Jee


G. S. Jee